@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 66 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम ने भारतीय एआई स्टार्टअप्स के साथ की राउंडटेबल चर्चा

● कहा- देश में इनोवेशन की अपार क्षमता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक आवास पर भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ बैठक की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर सुबह भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ बैठक की। यह बैठक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले हुई है, जो कि अगले महीने भारत में होने वाला है। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में वह 12 एआई स्टार्टअप शामिल हुए हैं, जिन्होंने एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए क्वालिफाइड किया है और इसमें उन्होंने अपने विचार और कार्य के बारे में बताया।

पीएम कार्यालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि यह स्टार्टअप हेल्थकेयर, बहुभाषी लार्ज लैंग्वेज मॉडल, मटेरियल रिसर्च, डेटा एनालिटिक्स,

इंजीनियरिंग सिमुलेशन और अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने समाज में परिवर्तन लाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत अगले महीने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा, जिसके माध्यम से देश टेक्नोलॉजी क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही कहा कि भारत एआई का उपयोग करते हुए परिवर्तन लाने का प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं और कहा कि देश में इनोवेशन और बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन दोनों की अपार क्षमता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए जो 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' की भावना को दर्शाता हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पर दुनिया का भरोसा ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। इस कारण भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए। साथ ही कहा कि भारत किफायती एआई, समावेशी एआई और किफायती इनोवेशन को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए और स्थानीय एवं स्वदेशी सामग्री तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने वाले हो।

इस बैठक में अवतार, भारतजेन, फ्रैक्टल, गैन, जेनलोप, ज्ञानी, इंटेलीहेल्थ, सर्वम, शोध एआई, सॉकेट एआई, टेक महिंद्रा और जेंटिक सहित भारतीय एआई स्टार्टअप्स के सीईओ, प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भी बैठक में उपस्थित थे।

अश्विनी वैष्णव शनिवार को 100 रेल कर्मियों को देंगे रेल सेवा पुरस्कार

● 26 रेलवे जोनों को मिलेंगी शील्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेल अपने समर्पित और उत्कृष्ट सेवा देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए तैयार है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को 100 रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रतिष्ठित 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 प्रदान करेंगे। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोनों को कुल 26 शील्ड प्रदान की जाएंगी।

यह सम्मान समारोह नई दिल्ली के द्वारका स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि) में आयोजित होगा। समारोह में रेल राज्य मंत्री एवं जल शक्ति मंत्री वी. सोमन्ना, रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य तथा विभिन्न रेलवे जोनों और उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक भी उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष कुल 100 पुरस्कारार्थियों का चयन नवाचार, परिचालन दक्षता, सुरक्षा,

संरक्षा, राजस्व वृद्धि, परियोजनाओं के समयबद्ध निष्पादन, खेल और अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया है। पुरस्कार पाने वालों में वे अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं, जिन्होंने महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षित और सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित किया। साथ ही 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कठिन परिस्थितियों में निर्बाध रेल सेवाएं और राहत कार्य सुनिश्चित करने वाले अधिकारी तथा दुर्गम क्षेत्रों में उन्नत बैलास्ट क्लीनिंग मशीनों के माध्यम से ट्रैक सुरक्षा और रखरखाव में सुधार लाने वाले कार्मिक भी सम्मानित होंगे।

ममता बनर्जी पर आई-पैक में छापेमारी को प्रभावित करने का आरोप, भाजपा ने गिरफ्तारी की मांग

कोलकाता। कोयला घोटाला मामले में कोलकाता स्थित आई-पैक के कार्यालय में ईडी ने गुरुवार को तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ईडी की जांच प्रभावित करने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप लगे हैं, जिसने एक नए राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस मामले में ममता बनर्जी की गिरफ्तारी की मांग की है। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय पर छापेमारी के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर ईडी की जांच को प्रभावित करने का आरोप लगाया और उनकी तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि कोयला घोटाले में इससे पहले भी टीएमसी नेताओं के घरों पर छापेमारी हुई, मुख्यमंत्री ने उस तरफ मुड़कर भी नहीं देखा। लेकिन आई-पैक के ऑफिस में हुए रेड के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया और जांच को प्रभावित करने का प्रयास किया क्योंकि इस मामले में ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी फंसने वाले हैं।

अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पंजाब के व्यापारियों और दुकानदारों से मुलाकात

कौमी पत्रिका

पंजाब, 8 जनवरी। एस.ए.एस. नगर में आयोजित पंजाब राज्य ट्रेडर्स कमीशन की पहली बैठक के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस कमीशन को वर्षों से व्यापारियों के प्रति चली आ रही उपेक्षा और नौकरशाही द्वारा की जाने वाली परेशानियों को समाप्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। 'आप' प्रमुख ने कहा कि अब दुकानदारों को एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर भटककर परेशान नहीं होना प?ेगा, क्योंकि 'आप' सरकार ने प्रशासन को सीधे बाजारों तक पहुँचाने का फैसला किया है। इस पहल को पंजाब में व्यापारिक सुधारों के एक नए युग की शुरुआत बताते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह कमीशन टैक्स प्रणाली को आसान बनाएगा, टैक्स आतंकवाद को खत्म करेगा और अनावश्यक प्रक्रियागत अ?चनों को दूर करेगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस बात को दोहराते हुए जोर दिया कि दुकानदार सच्चे देशभक्त हैं, जो अर्थव्यवस्था को गति देते हैं, और विश्वास जताया कि यह

कमीशन पूरे प्रदेश के व्यापारियों की भलाई और सम्मान की निर्णायक रूप से रक्षा करेगा। जनसमूह को संबोधित करते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, आज छोटे दुकानदारों, व्यापारियों और बाजारों के लिए एक नई शुरुआत हो रही है, जिन पर अब तक किसी ने ध्यान नहीं दिया। जिन लोगों को विभिन्न स्तरों पर इन कमीशनों का सदस्य बनाया गया है और जिन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्हें मैं दिल से बधाई देता हूँ। हमारी सरकार ने चार साल पूरे कर लिए हैं और आज यहाँ एक बहुत सुंदर दृश्य ने मेरा ध्यान अपनी और आकर्षित किया है। इस हॉल में बैठे आप सभी हमारी पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, बल्कि स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यक्ति हैं। आप में से कुछ मार्केट एसोसिएशनों के प्रधान हैं, कुछ टेक्सटाइल और टाइल जैसे सेक्टर-वार व्यापारिक संगठनों का प्रतिनिधित्व करते हैं और आप सभी अलग-अलग पृष्ठभूमियों से संबंधित और स्वतंत्र व्यक्ति हो। चार साल के शासन के बाद जनता की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने कहा, अक्सर कहा जाता है कि चार साल बाद सत्ता विरोधी लहर तेज हो जाती है

शेष पृष्ठ 3 पर

बेलगावी शुगर फैक्ट्री में बॉयलर फटने से 6 मजदूरों की मौत

● कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं

एजेंसी

बेलगावी । कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक दुखद हादसे ने कई परिवारों को गहरा सदमा दिया है। बैलहोंगल तालुका के मारकुंबी गांव स्थित इनामदार शुगर फैक्ट्री में बॉयलर में विस्फोट हो गया, जिसमें अब तक 6 मजदूरों की मौत हो चुकी है। शुरुआती रिपोर्टों में तीन मौतें बताई गई थीं। लेकिन, इलाज के दौरान तीन और मजदूरों ने दम तोड़ दिया। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं और उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। यह हादसा दोपहर करीब ढाई बजे हुआ, जब फैक्ट्री के नंबर एक कंपार्टमेंट में दीवार की मरम्मत और रखरखाव का काम चल रहा था। अचानक वाल्व फेल होने से गर्म गुड़ का रस बाहर निकला और आसपास खड़े मजदूरों पर गिर गया, जिससे उन्हें गंभीर जलन हुई। पुलिस के अनुसार, यह एक पुरस्कार विजेता चीनी मिल है, जो विक्रम इनामदार, प्रभाकर कोरे और

विजय मेटागुडी की साझेदारी में चल रही है। मृतकों में अक्षय चोपाडे (45 साल), दीपक मन्नोली (31 साल), सुदर्शन बनोशी (25 साल), भरतेश सरवाडे (27 साल), गुरु तम्मनावर (26 साल) और मंजुनाथ कजागार (28 साल) शामिल हैं। पहले अक्षय, दीपक और सुदर्शन की मौत हुई, जबकि अन्य घायलों की बाद में मौत हो गई। घायल मजदूरों को तुरंत बैलहोंगल सरकारी अस्पताल और बेलगावी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए और मातम छा गया। दो शवों का पोस्टमॉर्टम एक निजी अस्पताल में शुरू हो चुका है। परिजनों का गुस्सा फैक्ट्री प्रबंधन पर है, क्योंकि हादसे के कई घंटे बीत जाने के बावजूद मालिकों की तरफ से कोई मुआवजे का ऐलान नहीं हुआ है और न ही कोई संवेदना व्यक्त की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बेलगावी ग्रामीण एसपी ने घटना की पुष्टि की और कहा कि लापरवाही की आशंका पर गहन जांच की जा रही है। फैक्ट्री का संचालन फिलहाल रोक दिया गया है।

सड़क हादसे के पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना जल्द: नितिन गडकरी

● दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने वाले भले इंसान को 25 हजार रुपये का इनाम भी मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा केंद्र सरकार सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के लिए एक कैशलेस इलाज योजना जल्द शुरू करेगी। इसके तहत दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने वाले भले इंसान को 25 हजार रुपये का इनाम भी मिलेगा और पीड़ित को अस्पताल में सात दिन तक रहने पर 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज का खर्च इंश्योरेंस कंपनियां वहन करेंगी और जहां इंश्योरेंस नहीं होगा वहां सरकार रोड सेफ्टी फंड से खर्च उठाएगी।

गडकरी ने यहां गुरूवार को देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की सालाना बैठक की। बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों और आम लोगों की सुविधा, व्यापार करने में आसानी और ऑटोमोबाइल नियमों, कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम, हिट एंड रन पीड़ितों को मुआवजा, ई-डीएआर, सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह, सड़क सुरक्षा अभियान, स्क्रैपिंग पॉलिसी, बस बॉडी कोड, दिव्यांगजनों के लिए सुगमता, बीएनसीएपी 2.0, ट्रकों और बसों में एडीएएस और मोटर व्हीकल एक्ट में प्रस्तावित संशोधन जैसे 12 विषयों पर चर्चा की गई। गडकरी ने कैशलेस इलाज योजना पर राज्यों की तैयारियों की समीक्षा कर उन्हें सक्रिय रूप से कमियों को दूर करने के लिए आगाह गया। उन्होंने बताया कि असम, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब इसे पूरे देश में लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान के तहत परिवहन एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच करीबी और लगातार तालमेल जरूरी है। नीतियों में सामंजस्य, सहकारी संघवाद को मजबूत करने और देशभर में सुरक्षित, कुशल और नागरिक-केंद्रित परिवहन समाधान देने के लिए नियमित सलाह-मशविरा आवश्यक है। नई ड्राइविंग ट्रेनिंग पॉलिसी का भी उल्लेख किया जो 15 जनवरी 2025 को शुरू की गई थी।

अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर

करीब 830 करोड़ रुपए की भूमि अवैध कब्जों से मुक्त

एजेंसी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया। प्राधिकरण की इस व्यापक मुहिम के तहत करीब 830 करोड़ रुपए मूल्य की सरकारी भूमि को अवैध कब्जाधारियों से मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ की गई, जिससे अवैध निर्माण करने वालों और अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों के मुताबिक, यह अभियान नियोजित विकास को बनाए रखने और सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल, प्राधिकरण की टीम, प्रवर्तन विभाग और वर्क सर्किल के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। गुरुवार को वर्क सर्किल-8 द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए ग्राम भंगेल बेगमपुर स्थित खसरा संख्या 58 में अवैध रूप से कब्जाई

गई भूमि को खाली कराया गया। इस कार्रवाई में लगभग 2000 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। यहां लंबे समय से अवैध निर्माण और कब्जे की शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद जांच कर कार्रवाई की गई। इसी क्रम में गुरुवार को सेक्टर-143 के अंतर्गत ग्राम सुथियाना के डूब क्षेत्र में नोएडा प्राधिकरण की अर्जित एवं कब्जा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस क्षेत्र में लगभग 75,000 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया था।

डूब क्षेत्र होने के कारण यह भूमि पर्यावरण और जल निकासी की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील मानी जाती है, जिस पर अतिक्रमण से भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती थीं। इसके अतिरिक्त ग्राम सौरखा जाहिदाबाद के डूब क्षेत्र में भी प्राधिकरण ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 6000 वर्ग मीटर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। यहां भी नोएडा प्राधिकरण की अर्जित भूमि पर अवैध कब्जा किया गया था, जिसे हटाने के लिए बुलडोजर की मदद ली गई। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि वे सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न करें, अन्यथा कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आई-पैक ऑफिस पर ईडी की छापेमारी

● आई-पैक के दफ्तर में ईडी की छापेमारी से बंगाल की सियासत गरमाई

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बृहस्पतिवार को दिन भर चले नाटकीय घटनाक्रम के बाद केंद्र और राज्य सरकार आमने-सामने आ गए हैं. दरअसल, ईडी ने सुबह ही कोलकाता में सलाहकार संस्था आई-पैक के दफ्तर और इसके प्रमुख प्रतीक जैन के घर तलाशी अभियान शुरू किया था।

लेकिन इसकी खबर मिलते ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले प्रतीक के घर गई और वहां से आई-पैक के दफ्तर. उन्होंने तलाशी के दौरान ही वहां से दर्जनों फाइलें और लैपटॉप को अपने कब्जे में लेकर गाड़ी में रख लिया.

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर ईडी के जरिए आई-पैक के दफ्तर से तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रणनीति से जुड़े दस्तावेजों को जब्त करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है. दूसरी ओर, ईडी ने अपने बयान में कहा है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करते हुए ईडी तलाशी के दौरान कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को जबरन कब्जे में ले लिया और अपने साथ ले गई।

ममता बनर्जी सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री : तापस राय

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष और पश्चिम बंगाल सरकार में पूर्व मंत्री रहे तापस राय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव 2026 में बंगाल की जनता हर हाल में ममता बनर्जी की सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। तापस राय ने ममता बनर्जी को 'देश की सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' करार देते हुए कहा कि मैं उनके (ममता बनर्जी) मंत्रिमंडल में सहयोगी रहा हूं और पार्टी के पुराने दौर में उनके साथ काम किया है। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि वह किस तरह नाटक, झूठ और नफरत की राजनीति करती हैं। हिंदू धर्म से नफरत करती हैं ममता : तापस रायतापस राय ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी हिंदू धर्म और हिंदुओं से नफरत करती हैं, इसी कारण वह अल्पसंख्यक सम्मेलनों में जाकर हिंदू धर्म का अपमान करती हैं। उन्होंने हाल ही में गंगासागर में सेतु के उद्घाटन के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा कृष्ण परमहंस द्वारा गीता लिखे जाने के दावे को लेकर भी कटाक्ष किया।

प्रदूषण पर चर्चा से मुंह मोड़कर, गोवा टूर कर रहीं नेता प्रतिपक्ष: इंद्राज

नई दिल्ली- 08 जनवरी। यह देश संतों की भूमि है और संतों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने वालों को न तो छोड़ा जाएगा और न ही माफ किया जाएगा। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने यह बात गुरूवार को विधानसभा परिसर में मीडिया से संवाद के दौरान विपक्ष पर निशाना साधते हुए कही। इंद्राज ने कहा कि संतों ने देश और धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। ऐसे में उनके

खिलाफ किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी निंदनीय है और इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इंद्राज ने स्पष्ट किया कि सरकार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदूषण के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाते हुए समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि दिल्लीवासी अच्छी तरह देख और समझ रहे हैं कि नेता प्रतिपक्ष प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को लेकर कितनी संवेदनशील हैं। इन्द्राज ने कहा कि 11 वर्षों तक दिल्ली में प्रदूषण को लेकर लापरवाही बरतने वाली सरकार अब राजनीति कर रही है। वर्तमान सरकार जब प्रदूषण जैसे गंभीर विषय पर चर्चा और समाधान चाहती है, उसी समय नेता प्रतिपक्ष का गोवा टूर पर चले जाना यह दर्शाता है कि उन्हें जनता की समस्या से नहीं बल्कि सिर्फ राजनीति से मतलब है। अतिक्रमण हटाने को लेकर हो रही राजनीति पर प्रतिक्रिया देते हुए द्य इंद्राज ने कहा कि धर्म के नाम पर या व्यक्तिगत लाभ के लिए अतिक्रमण को बढ़ावा देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण से लोगों को हो रही परेशानी और कोर्ट के आदेश से प्रशासन अपने दायित्व का निर्वहन कर रहा है और इस कार्य में राजनीति करना गलत है।

पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों को बम से उड़ने की धमकी, मच गया हड़कंप

मोगा (एजेंसी)। पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों फिरोजपुर और मोगा को आरडीएक्स से उड़ने की धमकी मिली है। इसके बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया है और कोर्ट परिसर के गेट बंद कराए गए हैं। जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेल भेज कर धमकी दी गई है कि मोगा और फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ा दिया जाएगा। जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के प्रधान वकील लवजीतपाल सिंह टूरना ने संपर्क करने पर बताया कि उन्हें माननीय जज साहिब द्वारा यह संदेश दिया गया है कि फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ने की धमकी मिली है। यह देखकर एहतियात के तौर पर कोई भी वकील ,क्लर्क या क्लाइंट कोर्ट परिसर में ना दाखिल ना हो। उन्होंने बताया कि जुडिशल अधिकारी के आदेश को मानते हुए जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के वकील, क्लर्क और क्लाइंट वापस आ गए हैं। जानकारी के अनुसार फिरोजपुर कोर्ट परिसर में पुलिस द्वारा डॉग स्क्वाड और बंब निरोधक टीमों को साथ लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने 4 किलो का आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किया

राजौरी (एजेंसी)। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण आतंकवादी साजिश को नाकाम कर 4 किलो का संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद कर निष्क्रिय किया। यह सफलता सेना और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान मिली, जो विश्वसनीय टिप-ऑफ के आधार पर डोरी माल के कल्लर क्षेत्र के घने जंगल में शुरू किया। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके को घेराबंदी कर गहन तलाशी अभियान शुरू किया। जंगल वाले इलाके में उन्नत पहचान तकनीकों का उपयोग करते हुए सैनिकों और पुलिस ने दबे हुए संदिग्ध सामान का पता लगा लिया। जांच में यह पुष्टि हुई कि यह करीब 4 किलो का परिष्कृत आईडीडी था, जो कि अगर विस्फोट किया जाता, तब गंभीर नुकसान हो सकता था। पास में खाली खोल भी मिले, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित किया। आईईडी को नियंत्रित विस्फोट (कंट्रोल्ड ब्लास्ट) के माध्यम से निष्क्रिय किया, जिससे आसपास के नागरिक सुरक्षित रहे। ऑपरेशन के बाद साइट को साफ किया, लेकिन अतिरिक्त संदिग्धों या डिवाइस की जांच जारी है। सुरक्षा बल क्षेत्र में गश्त तेज कर सुरक्षा बनाए रखने में जुटे हैं। इस बीच, जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले में भी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद संयुक्त बलों ने तलाशी अभियान और बढ़ा दिया। यह कार्रवाई दोनों जिलों में आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम साबित हुई।

त्रिपुरा में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए... अनुमानित कीमत 145 करोड़

त्रिपुरा (एजेंसी)। त्रिपुरा के सेपाहिजाला जिले में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए, जिससे 10 दिनों में कुल करीब 30 लाख पौधे नष्ट हो गए। इन पौधों की अनुमानित कीमत 145 करोड़ आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, दिन भर चले संयुक्त ऑपरेशन में केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने करीब 200 एकड़ क्षेत्र में 65 प्लॉटों पर उगाए गए पौधों को नष्ट किया। नष्ट किए गए पौधों की कीमत लगभग 36 करोड़ रुपये है। ऑपरेशन में त्रिपुरा पुलिस, त्रिपुरा स्टेट राइफल्स, असम राइफल्स, बीएसएफ, वन विभाग और जिला प्रशासन ने मिलकर काम किया। यह अभियान सोनमुरा, मेलागढ़ और कलामचौरा के तहत आने वाले गांवों में हुआ, जो बांग्लादेश सीमा के पास हैं। असम राइफल्स ने कहा कि यह ऑपरेशन अवैध गतिविधियों को रोकने और क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने में सहयोगी एजेंसियों के संभावित प्रयासों को दिखाता है। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने 414 एकड़ पहाड़ी जमीन पर फैले 23 लाख से अधिक गांजे के पौधे नष्ट किए थे, जिनकी कीमत करीब 108 करोड़ रुपये थी। इसतरह अन्य जिलों जैसे उनाकोटी, दक्षिण त्रिपुरा और खोवाई में भी कई लाख पौधे नष्ट किए गए। वहीं सुरक्षाबलों ने अवैध खेती में शामिल कई लोगों को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कई बार जंगल और सरकारी जमीन पर कब्जा करके गांजे की खेती की जा रही थी। इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति के लिए नशीले पदार्थ की खेती, रखरखाव, बिक्री या सेवन गैर-कानूनी है, और उल्लंघन करने पर 20 साल तक जेल और भारी जुर्माना हो सकता है। इसी दौरान पश्चिम बंगाल के ट्रक से 12,600 बोतल एस्कुफ कफ सिरप, 16,000 रुपए और दो मोबाइल जब्त किए गए, जिसमें दो लोग गिरफ्तार हुए।

कठुआ के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ के बिलावर क्षेत्र के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकवादी गांव में छिपे हुए हैं और उन्हें पकड़ने के लिए सुरक्षा बल तलाशी अभियान जारी हैं। मुठभेड़ बुधवार शाम शुरू हुई, जब दो से तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अन्य सुरक्षा बलों ने मिलकर कार्रवाई की। मुठभेड़ में एक सुरक्षाकर्मी को पैर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। अधिकारी बताते हैं कि घने जंगल और दुर्गम इलाके में रात भर घेराबंदी के बाद तलाश अभियान फिर से शुरू किया। धनु परोल-कमाध नाला क्षेत्र में हवाई निगरानी के साथ अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। जम्मू जोन के आईजीपी भीम सेन तूती ने बताया कि अंधेरा और कठिन भूभाग होने के बावजूद एसओजी आतंकवादियों से लगातार मुकाबला कर रही है। सीआरपीएफ की टीम भी संयुक्त अभियान में शामिल है। मुठभेड़ करीब एक घंटे चली, इसके बाद गोलीबारी रुक गई। फिलहाल यह जानकारी नहीं है कि कोई आतंकवादी हताहत हुआ या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक महीने से सेना, बीएसएफ, पुलिस और सीआरपीएफ सीमा क्षेत्रों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। वे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों की पहचान कर रहे हैं और सांबा एवं कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त तेज कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस से पहले बीएसएफ, सीमा पुलिस और ग्राम रक्षा गार्ड समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। इस कार्रवाई का मकसद न केवल आतंकवादियों को पकड़ना बल्कि सीमा सुरक्षा मजबूत करना और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कठुआ जिले के दुर्गम इलाके में सक्रिय आतंकवादी समूहों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लगातार चल रही है।

उप्र चुनाव में मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटे, भाजपा ने शुरू किया डैमेज कंट्रोल अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ताजा ड्राफ्ट के अनुसार, प्रदेश की मतदाता सूची से करीब 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह संख्या राज्य के कुल मतदाताओं का लगभग 18.70 प्रतिशत है, जिसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। इस भारी कटौती के बाद अब उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट सूची में मतदाताओं की कुल संख्या घटकर 12.55 करोड़ रह गई है।

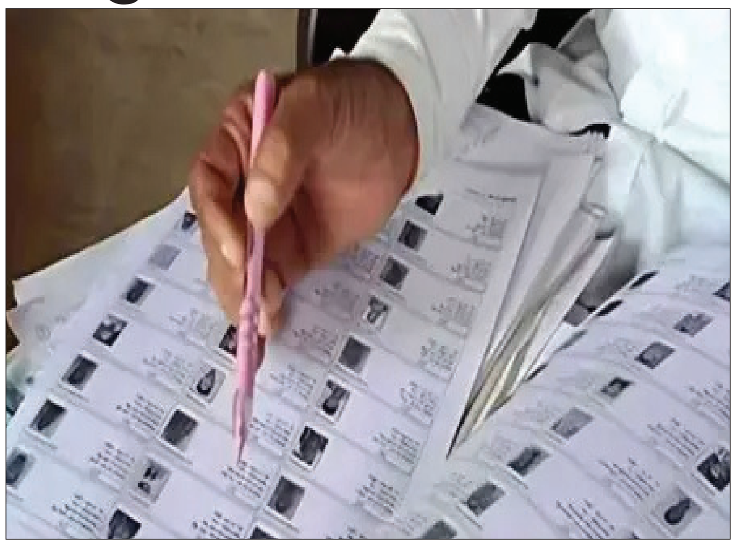

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि नाम हटाए जाने के पीछे मुख्य रूप से मतदाताओं की मृत्यु, उनके निवास स्थान में बदलाव (पलायन), लंबे समय से अनुपस्थिति या एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होना जैसे तकनीकी और वास्तविक कारण शामिल हैं। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में वोट कटने से सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी की चिंताएं बढ़ गई हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इस स्थिति से निपटने और चुनावी गणित को दुरुस्त करने के लिए तत्काल डैमेज कंट्रोल की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक की। पार्टी ने अपने संगठन को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हों और हर पोलिंग बूथ पर कम से कम 200 नए मतदाताओं के नाम जुड़वाना सुनिश्चित करें। प्रदेश में कुल 1.77 लाख पोलिंग बूथ हैं और इस लक्ष्य के जरिए पार्टी लगभग 3.5 करोड़ नए और वास्तविक मतदाताओं को सूची में शामिल करने की योजना बना रही है।

भाजपा की इस रणनीति में प्रवासियों और युवाओं पर विशेष फोकस रखा गया है। पार्टी उन लोगों को वापस मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास करेगी जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं लेकिन काम के सिलसिले में दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में रह रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वे ऐसे लोगों से अनुरोध करें कि चूंकि अन्य राज्यों में तत्काल कोई बड़े चुनाव नहीं हैं, इसलिए वे 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश में अपना पंजीकरण कराएं। साथ ही, उन वोटर्स पर भी ध्यान दिया जा रहा है जिन्होंने सुरक्षा या अन्य आशंकाओं के चलते शहरों के बजाय गांवों में वोट रखा था, लेकिन लंबी दूरी के कारण वे मतदान करने नहीं जा पाते। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़ी आपत्तियों और दावों का निपटारा 6 जनवरी से 6 फरवरी तक किया जाएगा। इसके बाद 6 मार्च को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इस बीच, भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को विकसित भारत अभियान के जरिए जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने और सरकारी योजनाओं के लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी निर्देश दिया है।

रेड वाली जगह पर पहुंची ममता... मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा?

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय देश भर में 15 जगहों पर तलाशी अभियान चला रहा है। यह तलाशी एक संगठित गिरोह के खिलाफ फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले से जुड़े मामले में की जा रही है, जो लोगों को फर्जी नौकरियां देकर ठगी कर रहा था। इसी कड़ी में कोलकाता में इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के ऑफिस में ईडी की रेड चल रही थी। तभी वहां पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ...क्या ईडी, अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क, कैंडिडेट लिस्ट इकट्ठा करना है?... यह गृह मंत्री जो देश की रक्षा नहीं कर सकता और मेरे पार्टी के सारे कागजात ले जा रहा है। अगर मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा? एक तरफ, वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर करवाकर सभी वोटर्स के नाम हटा रहे हैं... चुनावों की वजह से, वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। दरअसल गुरुवार सुबह ईडी की टीम साल्टलेक के सेक्टर-5 में आईपीएसी के ऑफिस में सर्च कर रही थी। इसी बीच, सेंट्रल एजेंसी की एक और टीम आईपीएसी के हेड प्रतीक जैन के घर पहुंची। प्रतीक जैन 7 लाउडन स्ट्रीट में रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने यह सर्च ऑपरेशन इसलिए शुरू किया ताकि पता लगा सके कि आई-पैक का दिल्ली में हुए वित्तीय फर्जीवाड़े से कोई कनेक्शन है या नहीं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह छापा दिल्ली में कोयला तस्करी मामले में दर्ज एक पुराने केस से जुड़ा है।

अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद सांसद के रुप में काम पर लौटी हेमा... संसद खेल महोत्सव में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद हेमा मालिनी ने पहली बार अपने काम पर वापसी की और उनके चेहरे पर खुशी दिखाई दी। मुंबई में एक समय कठिन और दुखभरा रहा, लेकिन अब वे अपने कर्तव्य और काम पर फोकस कर रही हैं। हेमा ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे मथुरा में आयोजित संसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाती दिख रही हैं। वीडियो में उनके चेहरे पर लंबे समय बाद मुस्कान देखी गई। मथुरा से सांसद हेमा ने लिखा कि मैराथन संसद खेल महोत्सव में राज्य के कोने-कोने से प्रतिभागी विभिन्न खेलों में भाग ले रहे हैं। विशेष रूप से शूटिंग, कुश्ती और अन्य बहु-विधाओं में कई लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की पहल से प्रतिभा को महत्व दिया जा रहा है और अब सभी प्रतिभागियों को अपने कौशल दिखाने का समान मौका मिल रहा है। मथुरा इसका उदाहरण है कि अब सभी को समान अवसर मिल रहे हैं। इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी हेमा को मुस्कुराते देखकर अपनी खुशी जाहिर की है। एक यूजर ने उन्हें ÷चट्टान की तरह मजबूत और पवित्र आत्मा वाली÷ बताया, जबकि दूसरे ने लिखा कि ÷अपने गम को भुलाकर कर्म ही सच्ची सेवा है।÷ साथ ही, हाल ही में हेमा ने धर्मेंद्र की दो अलग-अलग प्रार्थना सभाओं को लेकर उठे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह दोनों परिवारों का निजी मामला है। एक प्रार्थना सभा उन्होंने आयोजित की थी, जबकि दूसरी सनी देओल के घर रखी गई थी। हेमा मालिनी अब दुख को पीछे छोड़कर अपने कर्म और जनसेवा में लौट आई हैं, और उनकी मुस्कान दर्शकों और फैंस के लिए प्रेरणा बन गई है।

इम्तियाज जलील पर हमले से भड़के ओवैसी... चुनाव में जनता वोट से जबाव देगी

छत्रपति संभाजी नगर (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष और सांसद इम्तियाज जलील पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। सांसद ओवैसी ने कायरतापूर्ण हमला बताकर कहा कि औरंगाबाद की जनता लोकतांत्रिक तरीके से वोट के माध्यम से इसका जवाब देगी। ओवैसी ने कहा कि यह हमला उन लोगों की हताशा को दिखाता है, जिन्हें अपनी हार साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस वार्ड और पूरे औरंगाबाद के लोग एमआईएमआईएम के चुनाव चिह्न 'पतंग' पर वोट देकर साजिश करने वालों को जवाब देने वाले है। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से घटना के पीछे शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके एक दिन पहले ओवैसी ने छत्रपति संभाजीनगर में आज़ाद चौक से बुद्धि लेन तक रोड शो किया और स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसंपर्क किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

ओवैसी की पार्टी के सांसद जलील ने बताया कि रैली के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी और मौके पर पुलिस भी मौजूद थी, इसके बावजूद 20 से 25 हथियारबंद लोगों ने रैली पर हमला किया। हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और वाहनों को निशाना बनाया, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। जलील ने कहा कि इस तरह की गुंडागर्दी से एआईएमआईएम की रैलियों को रोका नहीं जा सकता और पार्टी ने रैली शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हिंसा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की साजिश है। जलील ने चेतावनी दी कि यदि एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाती है, तब पार्टी संयम बनाए रखेगी, लेकिन कार्रवाई न होने की स्थिति में आगे की रणनीति पर विचार होगा। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा से जुड़े नेताओं पर एआईएमआईएम के बढ़ते जनाधार से घबराने का आरोप भी लगाया।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य के 29 नगर निगमों के चुनाव की घोषणा की है। इसमें बीएमसी, पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम शामिल हैं। मतदान 15 जनवरी को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर, एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार रात सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुई कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर बनी हुई है। सर गंगाराम अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने इसकी जानकारी दी। अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी का इलाज जारी है और वे स्वस्थ हो रही हैं। सांस लेने में तकलीफ होने के बाद सोमवार को कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल के अध्यक्ष स्वरूप ने बताया कि विस्तृत चिकित्सा जांच के बाद पता चला कि दिल्ली में ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले प्रभाव से सोनिया गांधी के ब्रोंकियल अस्थमा की समस्या थोड़ी बढ़ी थी। एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी और आगे के इलाज के लिए भर्ती करने का फैसला किया। स्वरूप ने कहा कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले प्रभाव से उनका ब्रोंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था। एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए भर्ती किया गया। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है। उनके इलाज के बारे में और जानकारी देकर अस्पताल के अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं और उन्हें एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही हैं। स्वरूप ने कहा कि उनकी हालत में सुधार के आधार पर इलाज करने वाले डॉक्टर उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला कर सकते है। स्वरूप ने कहा कि फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।

एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो... का नारा देकर बीजेपी पर बरसे अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार पर तीखा हमला कर कहा कि यदि संविधान और आरक्षण को बचाना है, तब पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने मतदाताओं और ÷पीडीए संरक्षकों÷ से अपील की कि आगामी चुनावों में पीडीए समुदाय के वोट किसी भी हालत में विभाजित न हों। उनका स्पष्ट संदेश था कि एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो।÷

सपा नेता अखिलेश यादव ने आशंका जाहिर की कि भाजपा सरकार मतदाता सूचियों में गड़बड़ी कर सकती है और छूटे हुए नामों का दुरुपयोग कर नागरिकों को योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित कर सकती है। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी को नागरिक पहचान का अहम दस्तावेज मानने और मतदान प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरतने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वोटों की सुरक्षा केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण, रोजगार और संपत्ति की रक्षा के लिए जरुरी है। ÷अपना वोट दर्ज करें, अपना भविष्य बचाएं÷ के नारे के साथ उन्होंने पीडीए समाज से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि पीडीए समाज के लाखों वोट अब भी अलग-अलग हो रहे हैं, जिसे रोकने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर कड़ी निगरानी जरूरी है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगियों का असली उद्देश्य चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। उन्होंने कहा कि यदि पीडीए समाज के हाथों से निर्णायक मतदान अधिकार छिन गया, तब उत्पीड़न और बढ़ेगा तथा दबंग ताकतें मनमाने ढंग से सरकार बनाकर संविधान को कमजोर करेंगी। उनका कहना था कि वोट बचाना ही संविधान, आरक्षण और रोजगार के अधिकारों को बचाने का एकमात्र रास्ता है। इसके पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मसौदा मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटाने पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस ÷बड़ी साजिश बताकर निष्पक्ष जांच की मांग की।

मौसम का मिजाज: उत्तर भारत में कंपाने वाली ठंड और दक्षिण-पूर्वोत्तर में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। दक्षिण भारत में मानसून की विदाई के बावजूद बारिश का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। केरल में आने वाले 72 घंटों के दौरान कई जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और हवाओं की रफ्तार बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी है। तमिलनाडु में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। चेन्नई समेत कई तटीय इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे और झमाझम बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा पुडुचेरी और कराईकल जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है।देश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के कारण एक तरफ जहां उत्तर भारत के मैदानी इलाके भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं, वहीं दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, विभिन्न मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश, तेज हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है।

पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर काफी गहरा रहने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी की आशंका है, जबकि निचले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस बर्फबारी और बारिश के कारण पहाड़ों से सटे मैदानी इलाकों में तापमान और नीचे गिरेगा, जिससे ठंड का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा। सड़कों पर फिसलन और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए यात्रियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। दक्षिण के अन्य हिस्सों जैसे तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी अगले तीन दिनों तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं और जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है, वहीं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी भारी बारिश को लेकर चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत-अमेरिकी संबंधों पर बोले थरूर- राष्ट्रहित में विकल्प खुले रखना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दी गई हालिया टिप्पणियों पर देश में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इस संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संतुलित विदेश नीति की वकालत की है। थरूर का कहना है कि किसी भी देश के लिए उसके राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं और कूटनीति का असली उद्देश्य शत्रुओं की संख्या को कम करना और मित्रों का दायरा बढ़ाना होना चाहिए।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था। साथ ही, ट्रंप ने यह भी कहा कि रूसी तेल की खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण पीएम मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं। ट्रंप के इन दावों के बीच, शशि थरूर ने कहा कि राष्ट्रहित का अर्थ केवल कड़े रुख अपनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने लिए बड़ी मुसीबतें या दुश्मन न बनाएं। थरूर ने भारत की बहुपक्षीय विदेश नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे पास जितने अधिक विकल्प होंगे, हम किसी एक देश के मनमाने व्यवहार या उतार-चढ़ाव से उतने ही अधिक सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत वर्तमान में रूस और अमेरिका, दोनों के साथ मधुर संबंध साझा करता है, जबकि चीन के साथ भी कामकाजी रिश्ते बनाए हुए है। इसके साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत का बढ़ता तालमेल हमारी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके अनुसार, कूटनीति में सुरक्षित रहने का सबसे बेहतर तरीका है कि सभी के साथ संपर्क के रास्ते खुले रखे जाएं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप का रवैया काफी आक्रामक रहा है। हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने न केवल पीएम मोदी की मुलाकात के अनुरोध का जिक्र किया, बल्कि पूर्व में भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने की चेतावनी भी दी थी। ट्रंप ने अपने संबोधन में यह संकेत देने की कोशिश की कि भारतीय नेतृत्व उनके साथ संबंधों को प्राथमिकता देता है। हालांकि, कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के ऐसे बयान अक्सर उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे और अमेरिका फर्स्ट की नीति से प्रेरित होते हैं। फिलहाल, भारतीय राजनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा तेज है कि अमेरिका के इस दबावपूर्ण रवैये के बीच भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को कैसे बरकरार रखता है।

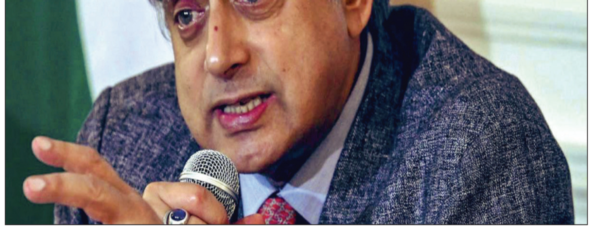

अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पंजाब के व्यापारियों और दुकानदारों से मुलाकात

प्रथम पृष्ठ का शेष

और लोग किसी न किसी कारण से नाराज हो जाते हैं। हमसे पहले कांग्रेस की सरकार थी और उससे पहले शिरोमणि अकाली दल की सरकार। चार साल बाद उन्हें इतनी बदसलूकी का सामना करना प?ता था कि शायद ही कांग्रेस सरकार ने कभी किसी सार्वजनिक सभा में लोगों के सामने माइक रखने की हिम्मत की हो और कहा हो कि लो जो मर्जी बोलो। अगर कांग्रेस सरकार ने ऐसा किया जाता तो गालियों की बौछार हो जाती। यदि अकाली दल की सरकार के दौरान ऐसा होता तो माइक वापस ही नहीं आता। भाव बहुत बहुत दुर्व्यवहार होता। आज मैंने बहुत ध्यान से सुना और लोगों को यह कहते सुना कि चार सालों में अच्छा काम हुआ है। व्यापारियों के प्रति धारणा पर बोलते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, अब तक हमारे देश में व्यापारियों और कारोबारियों को बहुत नकारात्मक नजरिए से देखा गया। कोई भी सरकार या पार्टी सत्ता में रही हो, सभी ने व्यापारियों को चोर समझा। हर सरकार सोचती है कि वे चोर है और उन्हें लूटा जाना चाहिए। सरकारें टैक्स के जरिए पैसा वसूलती रहीं। मौजूदा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था को हम एक झटके में नहीं बदल सकते, लेकिन मैं प्रार्थना करता हूँ कि एक दिन केंद्र में हमारी सरकार बने और हम आपको जीएसटी से मुक्ति दिलाएँ। देश में एक तरह का टैक्स आतंकवाद चल रहा है। एक तरफ सरकार टैक्स के जरिए आपको निचो?ती है और दूसरी तरफ राजनीतिक पार्टियाँ चुनावों के दौरान दान के नाम पर आपसे पैसा मांगती हैं और पांच सालों के लिये रिश्वत लेने के लिये याद करती हैं। सभी सरकारों ने व्यापारियों को चोर मानती रही हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं सोचते। अपने निजी अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, मैं खुद एक व्यापारी परिवार से हूँ और मैं एक व्यापारी के दर्द को समझता हूँ। आपको याद होगा के कैसे बचपन में गर्मियों की छुट्टियों में हम गाँव जाते थे, वहां मेरे चाचा की बस स्टैंड पर किराने की दुकान थी। कई बार मैं दिनों तक अकेले पूरी दुकान संभालता था। दुकानदार दिन-रात मेहनत करता है, ब? जोखिम उठाता है, कम कमाता है, अपनी आय में से सरकार को टैक्स देता है, लोगों को रोजगार देता है, अपने परिवार का पालन-पोषण करता है और गांव या शहर की सभी सामाजिक-चौरिटेबल गतिविधियों में भी योगदान देता है। इसके बावजूद सरकारें उसे परेशान करती हैं। मैं आपका दर्द समझता हूँ। व्यापारी कल्याण को राष्ट्रीय प्रगति से जो?ते हुए 'आप' प्रमुख ने कहा, कोई भी देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता, जब तक वह अपने सबसे छोटे दुकानदार की रक्षा नहीं करता और उसे सुविधाएँ नहीं देता। सरकारें ब? निवेश की बात करती हैं, तीन हजार, चार हजार या दस हजार करो? के उद्योगों की। यह जरूरी है, होना भी चाहिए लेकिन किराने, कप?, ब्रेड, टाइल्स की दुकानों और छोटे बाजारों के दुकानदारों पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। पहली बार ऐसी सरकार आई है जहाँ छोटे दुकानदार को यह सोचने की जरूरत नहीं कि सिफारिश या रिश्वत से काम कराना प?। यह व्यवस्था अब बंद होनी चाहिए। नए कमीशन ढांचे की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हम ऐसा सिस्टम बना रहे हैं जिसमें आप सरकार का हिस्सा बनेंगे। राज्य स्तर, जिला स्तर और सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा क्षेत्र (हलका) स्तर पर कमीशन होंगे। हलका स्तर के कमीशन में स्थानीय पुलिस, प्रशासन और व्यापारी शामिल होंगे। वे बाजारों में जाकर हर दुकानदार से मिलेंगे और समस्याओं पर चर्चा करेंगे। ये समस्याएँ व्यक्तिगत भी हो सकती हैं और बाजार स्तर की भी, जैसे टूटी स?कें, शौचालयों की कमी, पेयजल, व्यापारियों व ग्राहकों की सुविधाएँ और कानून-व्यवस्था से जु? मुद्दे। इनमें से 90 प्रतिशत समस्याएँ उसी स्तर पर हल हो जाएँगी। नीति स्तर के मुद्दों पर बोलते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, कुछ समस्याएँ नीति स्तर की होंगी, जिन पर ये कमेटियाँ राज्य सरकार को सिफारिशें देंगी और फिर उनका समाधान किया जाएगा, जिसमें नए नीति सुझाव भी शामिल होंगे। उदाहरण के तौर पर, ओटीएस नीति पिछली सरकारों ने बनाई थी, लेकिन उसे लागू करने का उनका इरादा नहीं था। यदि हम लोगों से बातचीत कर नीतियाँ बनाएँगे, तो वे नीतियाँ लागू भी होंगी और इन कमीशनों के जरिए आप तक भी पहुंचेंगी। अपने भाषण की समाप्ति करते हुए 'आप' सुप्रीमो ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि ये सारे कमीशन 'आप' सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि पहले तीन महीनों के अंदर पंजाब के सारे छोटे और ब? बाजारों में मीटिंगों का एक दौर पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान जिन समस्याओं को मौके पर ही हल किया जा सकता है, उन्हें वहीं हल किया जाएगा और जिन मुद्दों के राज्य स्तर पर हल की जरूरत होगी, उन्हें उसी स्तर पर हल किया जाएगा और तीन महीनों बाद मीटिंगों का अगला दौर किया जाएगा। इकट्ठ को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पंजाब में हो रहा एक अनोखा कार्यक्रम है, जो पिछली सरकारों के शासनकाल के दौरान कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपनी समर्था अनुसार तरक्की और खुशहाली का हकदार है, जिसकी कोई सीमा नहीं और यह अहम पहलकदमी खास तौर पर छोटे दुकानदारों की भलाई के लिए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि 'आप' पार्टी का गठन अरविंद केजरीवाल ने राजनीति में शामिल होने के लिए नहीं, बल्कि राजनीति की परिभाषा बदलने और देश को लोक कल्याण पर केंद्रित राजनीति का अर्थ सिखाने के लिए किया था। अपनी सरकार की जन हितैषी पहुंच को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पद संभालने के पीछे उनका एकमात्र उद्देश्य लोगों की सेवा करना था और उनकी यह प्रतिबद्धता जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से झलकती है। उन्होंने कहा कि पंजाब के 61,000 से अधिक युवाओं को पूरी योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि हमने 17 से अधिक टोल प्लाजा बंद कर दिए हैं, जिससे आम लोगों के रोजाना लगभग 64 लाख रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को और सुविधा देने के लिए इन टोल प्लाजों पर खाली प? दफ्तरों को अब आम आदमी क्लीनिकों में बदल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के उलट अब पारंपरिक पार्टियों के राजनेताओं ने अपने लिए तो बेशुमार दौलत इकट्ठी की, लेकिन व्यापारियों और दुकानदारों को मामूली कमाई से गुजारा करना प?ा, मैं दुकानदारों से अपील करता हूं कि वे राज्य के विकास और अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। उन्होंने कहा कि सरकार का राजस्व पहले ही कई गुणा ब? चुका है, जिसका एक-एक पैसा पंजाब के विकास और यहां के लोगों की खुशहाली के लिए पूरी समझदारी से खर्च किया जाएगा। पंजाब की सामाजिक मूल्यों-कीमतों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब की पवित्र धरती हमेशा मुसीबत में फंसे लोगों की मदद के लिए सबसे आगे रही है और पंजाबी कभी भी जरूरतमंदों की सेवा से पीछे नहीं हटते। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने धार्मिक उद्देश्यों के लिए आया पैसा या परमात्मा के सामने सम्मान के रूप में भेंट किया जाने वाला पैसा ह?प लिया है, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे पापियों के खिलाफ मिसाली कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के हर वर्ग की भलाई के लिए निरंतर और क? प्रयास कर रही है। दुकानदारों को देश के सच्चे देशभक्त बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारी अर्थव्यवस्था के पहिए को चलाकर असल अर्थों में देश की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग देश को बेचने पर तुले हैं और अपने देश के लोगों को बेसहारा छो?कर विदेशों में अनसुनी जगहों पर जाकर छुट्टियां मनाते रहते हैं, ऐसे लोगों ने खुद तो कुछ करना नहीं, बल्कि आम आदमी की भलाई के लिए ईमानदारी से काम करने वाले अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं को सलाखों के पीछे डालने से भी परहेज नहीं करते। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार अपने उद्योगपति दोस्तों की भलाई के लिए तो दिन-रात काम कर रही है, जबकि मनरेगा जैसी योजनाओं को बंद करके गरीबों को रोजी-रोटी से वंचित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार गरीब मजदूरों और कामगारों को उनकी मजदूरी देने के लिए प्रतिबद्ध है, इसलिए केंद्र सरकार भी अपना फर्ज समझते हुए बकाया फंडों का जायज हिस्सा जारी करने में देरी न करे तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मैंने वादा किया था कि सरकार को सिर्फ दफ्तरों तक सीमित न रखकर गांवों और कस्बों से चलाया जाएगा और हमने वह वादा पूरा किया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सारे कमीशन सदस्यों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे पंजाब के विकास में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़... नेपाली नागरिक के पास मिला इतना चरस, कीमत उड़ा देगी होश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान महेश (46) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 10.97 किलोग्राम हाई-ग्रेड चरस बरामद की है, जिसकी कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। यह बरामदगी दिल्ली पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिसने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार नेपाली नागरिक महेश नियमित रूप से नेपाल से दिल्ली तक अवैध मादक पदार्थों की खेप पहुंचाने और वितरण करने के धंधे में संलिप्त था। यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा था और इसका नेटवर्क नेपाल से शुरू होकर भारत में विभिन्न स्थानों तक फैला हुआ था। दिल्ली पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह का संबंध बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की तस्करी से है और बरामद चरस की खेप एक बड़ी खेप का हिस्सा हो सकती है। दिल्ली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। महेश को दिल्ली में एक सुनियोजित तरीके से जाल बिछाकर पकड़ा गया। उसकी तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी महेश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Smt. Archana Anand and Sh. Karan Malik** who is/are the owners of Commercial Unit bearing No. 05-008, Office Space, Situated on Fifth Floor, measuring 1001.16 Sq. Ft.in Metropolis, situated in revenue estate of Sirhaul, on Mehrauli – Gurugram Road, Tehsil and Distt- Gurugram, Haryana vide Relinquishment Deed dated 30.05.2022 which is Registered as Doc no. 2551 vol no.68/1942 pages 71.75/98-99 dated 30.05.2022 in SRO Gurgaon & Transfer Deed dated 01/06/2023 which is registered as Doc no. 2751 & Sale Deed dated 15.05.2023 which was registered as Doc no.2286 vol no. 87/2311 pages 11.5/60-61 dated 23.05.2023 in SRO Gurgaon and will be taking financial assistance from **Aditya Birla Capital Ltd.** That Original Relinquishment Deed dated 30.05.2022 is lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,2nd floor
Okhla Phase III
Contact #011-49774545

NAME CHANGE
I, Sayed Mansoor Ali S/o Sayed Hakim Ali R/o H.No- 2914 First Floor, Gali Sapru, Bazar Sita Ram, Kali Masjid, North Delhi-110006 have changed my name to Mohd Mansoor ALI.

NAME CHANGE
I, Shamiuddin S/o Maujuddin R/o 2187 Third Floor, Ward VIII Kucha Aqil Khan, Bazar Sita Ram, North Delhi -110006 have changed my name to Samiuddin.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KHAZAN SINGH S/O DARSHAN SINGH R/O H NO A-1, NEW MIG HOUSES SECTOR-G MAYUR VIHAR PHASE – III NEW DELHI 110096 have changed my name and shall hereafter be known as KHAZAN SINGH PELIA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ramesh chandra S/O: Dev Ram, R/O 175. Village, Karawal Nagar, PO: Karawal Nagar, DIST: North East Delhi, Delhi - 110094, have change my name and shall hereafter be known as Ramesh Ram.

NAME CHANGE
I, HITHERTO Known as Kamlesh, W/o Kishan, Residing at Flat No. 36, Type 3, ITI Campus, Vivek Vihar, East Delhi 110095, have changed my name and shall hereafter be known as Sunita.

NAME CHANGE
I hitherto known as ARUSHI GOEL D/O PANKAJ GOEL R/O B - 22 , Greater Kailash - 1 , Greater Kailash , South Delhi , Delhi - 110048 have changed my name and shall hereafter be known as AARUSHI GOEL

सार्वजनिक सूचना
श्री विवेक कुमार , मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले मकान के लिए ऋण मांग रहे हैं, जो खेवट/खाता संख्या 247/317, 249/319 मुस्तकिल संख्या 15 किला संख्या 20/2(2-10), 20/3(2-5) और मुस्तकिल संख्या 16 किला संख्या 16/1(1-2), 16/2(0-17) में स्थित है, जो वाका सिवाना मौजा धनवापुर में लक्ष्मण विहार फेज-II नामक कॉलोनी में, कादीपुर तहसील और गुरुग्राम जिले, हरियाणा के नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आता है; जिसे इसके बाद उक्त संपत्ति कहा जाएगा। श्री विवेक कुमार ने हमें बताया है कि पूर्व स्वामी **श्री रज्जाक हसन ने विक्रय विलेख संख्या 4566 दिनांक 04.07.2002 (विधेयक संख्या 132270552600030)** कहीं खो दिया है या गुम कर दिया है, जो कहीं नहीं मिल रहा है या जिसका पता नहीं लगाया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिस, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप में कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों के लिए उपरोक्त दस्तावेजों को शून्य और अमान्य घोषित किया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त स्वामियों के साथ विक्रय लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991119392

NAME CHANGE
I, SANDHYA KHAMKAR Wife of JC-288726M Rank-SUB Name-DAYANAND SATERI KALSEKAR Presently residing at VPO-DESUR, TEH+DIST-BELGAVI, KARNATAKA-590014, have changed my name from SANDHYA KHAMKAR to JAISHREE DAYANAND KALSEKAR for all future purposes vide Affidavit dated 08/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, J AHAMAD S/o ALI HUSSAIN R/o VPO-DAUDPUR, DIST-SARAN, BIHAR-841205, have changed my name from J AHAMAD to JAKKI AHAMAD for all future purposes.

NAME CHANGE
I MOHD FARHAN KHAN S/O SALIM KHAN R/O FLAT NO-8 FIRST FLOOR, NEAR MCD SCHOOL, KAVITA COLONY, NANGLOI, DELHI-110041 have changed my name to MOHMMAD FARHAN KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BEJJU SOMAYYA Father of No. 15719724L Rank-Loc HAV Name-BEJJU TARAKESWARA RAO residing at VILL-BEJJIVANIPETA, PO-REYYIPADU, TEHSIL-VAJRAPUKOTTURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532218, have changed my name from BEJJU SOMAYYA to BEJJI SOMAYYA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/02/1965 instead of my correct date of birth as 01/07/1966 Vide Affidavit dated 08/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, No-7243588L Rank-DFR (NAVET) Name-AJEESH R residing at VILL-THRIKKADAVOOR, PO-PERINAD, TEHSIL-KOLLAM, DIST-KOLLAM, KERALA-691601, have changed my mother's name from SUDHARAMA to SUDHARMMA for all future purposes vide Affidavit dated 08/01/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सर्वजन को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला जैनब फालमा पुत्री श्री शारिक अली निवासी कमालपुर, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश-203001, ने अपना नाम बदलकर जैनब फातमा से बदलकर जैनब फातिमा रख लिया है। यह कि ज़ैनब फातमा एवं ज़ैनब फातिमा एक ही व्यक्ति है।

SYED NOORUZZAMA
Advocate
Off:4D, 1st Floor, Bharat Nagar NFC, Okhla, New Delhi-110025

नाम परिवर्तन
मैं, अलापना कुमारी पत्नी न-14674478A रैंक-हवलदार , नाम-धनंजय कुमार निवासी - गांव-दाउदपुर, पोस्ट-दानापुर, तहसील-दानापुर, जिला-पटना, बिहार-801502, मैं अपना नाम अलापना कुमारी से अल्पना देवी करवाना चाहती हूँ , जो मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में है। भविष्य में मुझे अल्पना देवी के नाम से जाना जाये। शपथ पत्र दिनांक-08/01/2026.

NAME CHANGE
I,Prashant Kumar, S/o Sh. Ram Sagar Roy, R/o B-6/399-400, Sector 17, Rohini, Delhi -110089 have change my name Prashant Kumar Roy for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KAMLESH W/o Umesh Chand Tripathi R/o E-1/180, Gali No.3A, TOWER Wali Gali, Nehru Vihar, Dayalpur, Delhi-110094, have changed my name to KAMLESH TRIPATHI permanently

NAME CHANGE
I,Rajnish Kumar S/O Laxman Das Ahuja R/O 6/26, 3rd Floor, West Patel Nagar Central delhi 110008 changed my name to Rajnish Ahuja.

NAME CHANGE
I, Ragini Singh W/o Vijay Kumar R/o C-2-007, Supertech Ecovillage-1, Bishrak Dadri, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed my name to Ragni Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I S K SINHA S/O BISHWANATH SINHA R/O H N-1 BLOCK-C SHIV DURGA VIHAR LAKKARPUR SURAJKUND FARIDABAD HARYANA-121009 have changed my name to SATYENDRA KUMAR SINHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Mohd Kaif S/O Zakir Hussain R/O H No-r-41, 4th Floor Royal Apartment, Jogabai Extn, Jamia Nagar South East Delhi- 110025, Have Changed My Name to Md Kaif for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, DEVASHISH S/O VEENU BHATTY R/o ST PAULS SCHOOL, SECTOR-36 B, HARSARU, GURGAON HARYANA-122505 I HAVE CHANGED MY NAME TO DEVASHISH AUSTIN BHATTY FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I Hasiha Begam W/O. Mohd Rafik R/O. H.No-B-69/20/1, Gali No-19, Ziauddin Pur New Mustafabad, Delhi-110094 have changed my name to Hasina Begam

NAME CHANGE
I KHURSHEED AHMED S/O ABDUL QADIR R/O 682 GALI NO - 22 MADARSE WALI GALI ZAKIR NAGAR DELHI- 110025, I have changed my name to KHURSHEED AHMAD Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I NEELA PARGAIEN W/O ANAND BALLABH PARGAIEN R/O D - 212 FLAT NO 201, D BLOCK MOHAN GARDEN GURUDWARA ROAD UTTAM NAGAR DELHI-110059, I have changed my minor daughter's name DEEPTI TO DEEPTI PARGAIEN

NAME CHANGE
I ASHOK KUMAR SHA S/O GAURI SA R/O H.NO A-71 B 2ND FLOOR HASTSAL VIHAR NEAR KOTAK MAHINDRA ATM UTTAM NAGAR DELHI- 110059, I have changed my name to ASHOK SAH Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Abdul Rahim S/O Aman, R/O House Number 300/3, Purwa Faiyaz Ali, PO :kaiser Ganj, Meerut Uttar Pradesh- 250002, declare that name of my father and my Mother have been wrongly written as Aman Rahim and Tamana in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father and my Mother are AMAN AND TAMANNA, Respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I MOHD ABDULLA S/O KHALIQ AHMAD R/O H NO-B50 D.D.A COLONY NEW JAFRABAD SHAHDARA DELHI 110032 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD ABDULLAH

NAME CHANGE
I IDRISON KHAN W/O MUNNE KHAN R/O 28 B LIG FLAT POCKET 12 JASOLA VIHAR NEW FRIENDS COLONY DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO IDRISAN KHAN

NAME CHANGE
I, Dosh Mohammad S/o Liyakat R/o Chaina, Hardoi, Uttar Pradesh - 241407, have changed my minor son's name from Sehraj Ali Aged 17 Years to Siraj forever.

NAME CHANGE
I, hitherto known as VISHAL VIG S/o HARISH CHANDER VIG, residing at Flat No. 818, Mahagun Maestro, Plot No. F-21A, Sector 50, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as VISHAL KUMAR VIG.

NAME CHANGE
I hitherto known as VIKRAM SINGH S/O RAMLAL SINGH R/O H.NO--897, SHAHPUR, GOVERDHANPUR, SECTOR-128, NOIDA, PO MAHARISHI NAGAR, DISTT GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201304 have changed my name and shall hereafter be known as RANJIT VIKRAM SINGH.

NAME CHANGE
I Nisha Gaur W/0 Piyush Gaur Add.C - 4/15 Second Floor Krishna Nagar Delhi 110051 Changed my name Nisha Sharma

NAME CHANGE
I Anjula Kumari Garg W/0 Rakesh Kumar Add.RZ C 7 Ram Nagar Om Vihar Uttam Nagar Delhi 110059 Changed my name Anjula Garg

NAME CHANGE
I, Vickey Kumar S/o Vinod Kumar R/o H.No.E-107-C, Gali No.3, Behind Nala, Bhagirathi Vihar, Gokal Pur, Delhi-110094 have changed my name to Vickey Kumar Sharma.

NAME CHANGE
I,Sudarshan Kumar S/O Hari Chand Gupta R/O 8/4 block-40, singh sabha road Shakti nagar malka ganj north delhi 110007 changed my name to Sudarshan Kumar Gupta.

NAME CHANGE
I,Md Khursheed Alam S/O Ali Syed R/O plot no - 82,D-block gali no 13, khasra no 43/14, baprola vihar Najafgarh South West delhi 110043 changed my name to Khurshid Alam.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MOHAMMAD ALIM KHAN S/O MANSOOR ALI, R/O 501, 4TH FLOOR, G-79, JUMEIRAH APARTMENT, ABUL FAZAL-I, JAMIA NAGAR, OKHLA, South East Delhi-110025, have changed my name and shall hereafter be known as MOHD ALIM KHAN for all purposes.

NAME CHANGE
I SHAIFALI MAHESHBHAI KHURANA W/O PANKAJ WADHWA R/O H.NO 2962 GALI NO 7 NEAR GANESH MANDIR JAWAHAR COLONY FARIDABAD HARYANA 121001, I have changed my name to KHURANA SHAIFALI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I GHAN SHYAM S/O SUKHBIR SINGH R/O PLOT NO 350 AND 351, 1ST FLOOR BACK SIDE FLAT NO 04 BLOCK P PARSHURAM CHOWK MOHAN GARDEN DELHI-110059, I have changed my name to GHANSHYAM KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAVI KUMAR MORWAL S/o SHAYAM LAL MORWAL, R/o 6457/4, Subzi Wali Gali, Satya Narayan Mandir, Nabi Karim Pahar Ganj, Delhi, Nabi Karim, NCT of Delhi, 110055, declare that name of mine and my father have been wrongly written as RAVI KUMAR and SHYAM LAL in my Scheduled Caste Certificate No. 3187. The actual name of mine and my father are RAVI KUMAR MORWAL and SHAYAM LAL MORWAL respectively.

NAME CHANGE
It is for general information that I MUKESH KUMAR S/O SHIVCHARAN Permanent Residents of Khasra No. 181, Near BU Pusta Noida, Sector-34, Dadri Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, Presents Residence of 44, Near Majid Wali Gali, Charan Singh Colony Pratap Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, declare that name of mine and my father has been wrongly written as KAPIL KUMAR and MAHIPAL SINGH in my Aadhaar Card No. 411015087356. The actual name of mine and father are MUKESH KUMAR and SHIVCHARAN Respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I J.B.Monikanteswara Ganesh Kumar S/O S Bhagavathi Perumal Resident of -474,First Floor, Sector 4, Vashali, Ghaziabad,I.E. Sahibabad ,PO: I.e. Sahibabad, Dist: Ghaziabad ,Uttar Pradesh-201010, declare that name of mine and my father have been Wrongly Written as Moni Kanteswara Ganesh Kumar J.B. and Bhagavathi Perumal in my service record and name of mine and my father have been Wrongly Written as JBM Ganesh Kumar and Sbhagwani Perumal in my Pan Card No AESPG7325Q. The actual name of mine and my father are J.B.Monikanteswara Ganesh Kumar and S Bhagavathi Perumal

NAME CHANGE
I, REENA DEVI wife of No-17011361X Rank-NK Name-KISHOR KUMAR YADAV Presently residing at VILL-KANIMUNDWAR, PO-SITAGARH, PS-MUFFASIL, TEHSIL-SADAR, DIST-HAZARIBAGH, JHARKHAND-825301, have changed my name from REENA DEVI to RINA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 08/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RIDA REHMAN, D/ o NADEEM UR REHMAN R/o House No. F-17/2, Joga Bai Extn, Jamia Nagar, Okhla, South east Delhi – 110025. Declare that RIDA is my given name and my surname is REHMAN.

NAME CHANGE
I NADEEM UR REHMAN S/O SADEE UR REHMAN R/O F-17/2, JAMIA NAGAR OKHLA, SOUTH EAST DELHI,110025, DELHI, INDIA DECLARE THAT THE NAME OF MY DAUGHTER HAS BEEN WRONGLY WRITTEN IN HER PASSPORT. THE ACTUAL GIVEN NAME IS SADIA AND HER SURNAME IS REHMAN WHICH MAY BE AMENDED ACCORDINGLY.

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHD SAMAD S/O MOHD. YUNUS R/OT HUTS NO.-E-43/D-403, NEW SEEMA PURI, EAST DELHI, DELHI-110095, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as MOHAMMAD YUNUS and AFROZ in my 10th and 12th Class educational documents. The actual name of my father and my mother are MOHD. YUNUS and AFROZ BANO respectively, which may be amended accordingly.

Public Notice
I, Hazari Lal, Son of Kana Ram my Aadhar number is 3284-8030-2866, Resident of B-172, Dakshinpuri, New Delhi, declare that name of mine has been wrongly written as Hajari Lal in my daughter's namely 'Nirmala' Aadhar No. 9964-1894-5519, Class 10th Certificate i.c. SSE/2012-840705. The correct name of mine is Hazari Lal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RANJANA PAHUJA, W/o. MAHENDER KUMAR, R/o. A-703, BAHAWALPUR APARTMENT, PLOT NO-30, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI-110075, have changed my name from RANJANA PAHUJA to RANJANA GANDHI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Firdosh W/O Zahid Hussain R/O E-57/A-521, Sunder Nagri, Delhi 110093 Changed my name to Firdos

NAME CHANGE
I,hitherto known as Rupwati W/O Braham Pal Singh R/O B-1/65, Rajvir Colony, Gharoli Extention, East Delhi, Delhi-110096, have changed my name and shall hereafter be known as Roopvati.

PUBLIC NOTICE
This is to inform the general public that **Muthoot Homefin (India) Ltd.,** having its branch office at Gurgaon, Haryana intends to extend a financial facility to Mr. Santosh Kumar against the Security of Ground Floor, First Floor, & Second Floor with Roof Rights, Built on Portion of Property Bearing No. 112, now known as G-112, Area measuring 35 sq. yds., i.e. 29.26 Sq. Mts., Out of Rect. No. 16, Killa No. 32, 22 to 25, Situated in the Abadi of Jagat Puri, in the area of Village Khureji Khas Illaqa Shahdara, Delhi. Initially, Portion of Plot No. 112, Land area measuring 60 Sq. Yds., Out of Rect. No. 16, Killa No. 32, 22 to 25 owned by Mrs. Shanti Devi W/o Mr. Jai Narain Singh, by virtue of Notarized General Power of Attorney & Agreement to Sell dated 21.09.1979, executed by Mr. Sita Ram S/o Mr. Pishori Lal. Any person(s) having any claim, right, title, interest, lien, charge, or objection of whatsoever nature in respect of the said property or against the proposed mortgage in favour of **Muthoot Homefin (India) Ltd.** are hereby called upon to submit their objections in writing, along with documentary proof, within seven (7) days from the date of publication of this notice to **Adv. Rishi Maheshwari (Mobile: +91-9340118309).** Failing which, it shall be presumed that no claims or encumbrances exist, and the transaction shall proceed accordingly.

Rishi Maheshwari (Advocate)
Office At : RZ-29, Upper Ground Floor, Bhagwati Garden Jain Road,
Near Dwarka More
New Delhi 110059.
Contact No- +91- 9340118309

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, YANTRI PRASAD S/o Shahdev, R/o 443, Krishna Nagar Bagu Colony, Bye Pass Ghaziabad Uttar Pradesh-201001 declare that name of mine has been wrongly written as YANTRI PARSHAD MAURYA in my Service Records. The actual name of mine is YANTRI PRASAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I VIMAL S/O SUKHLAL R/O H NO-253, GALI NO-10, TITU COLONY, DHEERAJ NAGAR, FARIDABAD, HARYANA-121003 have changed my name to VIMAL SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I KAMNA D/O SITA RAM SHARMA R/O E- 71 SECOND FLOOR PANDAV NAGAR MAYUR VIHAR DELHI-110091, I have changed my name to KAMNA SHARMA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, ASHA DEVI wife of No-14671700L Rank-HAV Name- SURESH KUMAR residing at VILL-GOCHAR, PO-DASLEHRA, TEHSIL-JHANDUTTA, DISTT-BILASPUR, HIMACHAL PRADESH-174030 have changed my name from ASHA DEVI to ASHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit Dated 08/01/2026 before Executive Magistrate, New Delhi.

NAME CHANGE
I, JAISHREE DHUS Wife of JC-776861W Rank-SUB Name-DHUS AMOL THAKAJI residing at VPO-TAKALI DHOKESHWAR, TAL-PARNER, DIST-AHILYANAGAR, MAHARASHTRA-414304, have changed my name from JAISHREE DHUS to JAYSHREE AMOL DHUS for all future purposes vide Affidavit dated 08/01/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-776861W Rank-SUB Name-DHUS AMOL THAKAJI Father of SHREYA residing at VPO-TAKALI DHOKESHWAR, TAL-PARNER, DIST-AHILYANAGAR, MAHARASHTRA-414304, have changed my minor daughter's name from SHREYA to SHREYA AMOL DHUS for all future purposes vide Affidavit dated 08/01/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Gaurav S/o Ram Jagat R/o RZ-F-2/102-A, Gali No-4, Mahavir, Enclave, Palam Village, South West Delhi, Delhi-110045 have changed my name and shall hereafter be known as Gaurav Kanojia.

सूचना
आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरी क्लाइंट सुश्री प्रियंका माथुर पत्नी श्री विनीत माथुर, आवासीय पहली मंजिल, बिना छत के अधिकार के, जिसका कवर्ड एरिया 52.025 वर्ग मीटर प्लॉट नंबर 88, टाइप N, खसरा नंबर 1560, 1563 और 1624 पर बने है, जो शालीमार हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, विक्रम एन्क्लेव कॉलोनी, गांव पसोंडा, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, की मालिक हैं। शुरू में, उक्त संपत्ति के संबंध में मेसर्स महालक्ष्मी लैंड एंड फाइनेंस कंपनी (प्राइवेट) लिमिटेड द्वारा श्री गणेश दत्त शर्मा के पक्ष में 05.03.2004 को बिक्री विलेख निष्पादित किया गया था, (दस्तावेज़ संख्या 2025) जिन्होंने उक्त संपत्ति श्री विनीत माथुर को 31.03.2006 को बिक्री विलेख (दस्तावेज़ संख्या 4036) के माध्यम से बेच दी, जिन्होंने पहली मंजिल, बिना छत के अधिकार के, श्री एम.डी. जोशी को 06.11.2013 को बिक्री विलेख (दस्तावेज़ संख्या 10871) के माध्यम से बेच दी, जिन्होंने उक्त मंजिल श्री मुकेश कुमार सिंह को 28.10.2020 को बिक्री विलेख (दस्तावेज़ संख्या 6377) के माध्यम से बेच दी, जिन्होंने उक्त मंजिल हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पास गिरवी रख दी और ऋण चुकाने में असमर्थ रहे और अंत में, हीरो हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा 29.09.2025 को सुश्री प्रियंका माथुर पत्नी श्री विनीत माथुर के पक्ष में पहली मंजिल, बिना छत के अधिकार के, जिसका क्षेत्रफल 52.025 वर्ग मीटर है, के संबंध में बिक्री प्रमाण पत्र निष्पादित किया गया, जो SR-V, गाजियाबाद में पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 12559 में पृष्ठ 233 से 250 पर दस्तावेज़ संख्या 11413 के रूप में विधिवत पंजीकृत है। जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल मंजिल को ज्योति इंस्टॉलमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहती हैं। जिस किसी को भी उक्त गिरवी पर कोई आपत्ति है या संपत्ति में किसी का कोई दावा, अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षर करने वाले से संपर्क करे, ऐसा न करने पर यह मान लिया जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 8/1/2026

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **संदीप कुमार पुत्र** दर्शन कुमार, **निवासीः** सी-252 करण विहार, पार्ट-5, किरारी, दिल्ली, **यहां भीः** जी-1/46, सेक्टर-9, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद (उ0प्र0), ने **FIR No. 248/2016, U/S 186/353/332/182 IPC, पुलिस स्टेशन अमन विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संदीप कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संदीप कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 248/2016, U/S 186/353/332/182 IPC, पुलिस स्टेशन अमन विहार, रोहिणी जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **संदीप कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.02.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री शगुन

DP/51/RD/2026 (Court Matter) — **न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उत्तर-पश्चिम जिला, कोर्ट नं0-109, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली**

NAME CHANGE
I Pranav S/o Randhir Singh R/o C1/702, Tower Height Apartment, Pitampura, Delhi 110034 have changed my name to Pranav Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHIVANI D/O SANT RAM R/O 26/119, TRILOK PURI, PO: TRILOK PURI, DIST: EAST DELHI, DELHI, DELHI-110091 have changed my name and shall hereafter be known as BABY SANKRITI.

NAME CHANGE
I, BIBHA DEVI Mother of NO-4290339P, Rank-SEP, Name-BIPIN KUMAR residing at VILL-CHHOTI TANGRALLA, PO-AMARPURA, PS-NUBATPUR, DIST-PATNA, BIHAR-801117, have changed my name from BIBHA DEVI to BIBHA KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 08/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto Known as SHEZADI BEGUM D/o RYAZ KHAN residing at 257 CD Park -, Jahangir Puri , Azadpur, North Delhi, Delhi - 110033 have changed my name and shall hereafter be known as SHEZADI KHAN.

NAME CHANGE
I, PREETI VERMA W/O VEENIT KUMAR VERMA R/O House No. 1134 , Dr . Muhkerjee Nagar, Mukherjee Nagar, North West Delhi , Delhi - 110009 have changed the name of my minor son AARAV VERMA alias UJJWAL VERMA aged 14 years and he shall hereafter be known as UJJWAL VERMA.

NAME CHANGE
It is for general information that I OSHAN BISWO KARMA S/o KARAN KUMAR R/o 44G / 9, Ground Floor , Kishangarh , Vasant Kunj , PO : Vasant Kunj , South West Delhi , Delhi - 110070 declare that name of mine has been wrongly written as MONU B K in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine is OSHAN BISWO KARMA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as NIKITA MITTAL alias NIKITA GARG D/O MUKESH GARG W/O SUMIT MITTAL R/O H. No. - 331, First Floor , Near Karkardooma Metro Station, A G C R Enclave , VTC : Karkardooma, PO : Shakarpur , East Delhi , Delhi - 110092 have changed my name and shall hereafter be known as NIKITA GARG.

NAME CHANGE
It is for general information that I ILMA HAIDER D/o HAIDAR ABBAS NAQVI R/o B - 6, Safdarjung Fire Station, Jor Bagh, Lodhi Road , Sub Dist. New Delhi, Dist : Central Delhi , Delhi - 110003 declare that name of my father has been wrongly written as HAIDER ABBAS in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is HAIDAR ABBAS NAQVI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I RIDA HAIDER D/o HAIDAR ABBAS NAQVI R/o B - 6, Safdarjung Fire Station, Jor Bagh, Lodhi Road, Central Delhi , Delhi - 110003 declare that name of my father has been wrongly written as HAIDER ABBAS in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is HAIDAR ABBAS NAQVI which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में निगम चुनाव के लिए कांग्रेस ने बनाई चुनाव समिति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में होने वाली नगर निगम चुनाव के लिए विपक्षी दल कांग्रेस ने बिगुल बजा दिया है। प्रदेश के अंबाला, पंचकूला एवं सोनीपत में किसी भी नगर निगम चुनावों का ऐलान हो सकता है। यह चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है कि मेयर का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाता है और औसतन सभी निगमों में एक से अधिक विधानसभा क्षेत्र आते हैं। हरियाणा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने चंडीगढ़ में जारी जानकारी में बताया कि कांग्रेस नगर निगम चुनाव पूरी दमखम के साथ लड़ेगी और जीत सुनिश्चित करने के लिए ठोस रणनीति पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में पार्टी ने चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से एक विशेष चुनाव समिति का गठन किया है।राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि यह समिति चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय, प्रचार-प्रसार एवं चुनाव संबंधी औपचारिकताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस जनता के मुद्दों, विकास के एजेंडे और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के बल पर नगर निगम चुनावों में जीत का परचम लहराएगी।

गुरुग्राम नगर निगम का 54 लाख टैक्स बकाया होने पर प्रॉपर्टी सील

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों के विरुद्ध चलाए जा रहे सख्त अभियान के तहत दो और डिफॉल्टर प्रॉपर्टीज पर कार्रवाई की गई। निगम की टैक्सेशन टीम ने बसई एनक्लेव और कादीपुर क्षेत्र में स्थित दो प्रॉपर्टीज को सील किया है, जिन पर कुल 54 लाख 37 हखार 266 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया है। नगर निगम के टैक्स ब्रांच अधिकारियों के अनुसार, बसई एन्क्लेव स्थित एक प्रॉपर्टी पर 23 लाख 84 हजार 636 रुपये तथा कादीपुर क्षेत्र की एक अन्य प्रॉपर्टी पर 30 लाख 52 हजार 630 रुपये का प्रॉपर्टी टैक्स लंबे समय से बकाया है। इन दोनों प्रॉपर्टी मालिकों को पूर्व में कई बार नोटिस जारी कर बकाया टैक्स का भुगतान करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समयावधि में टैक्स जमा नहीं कराया गया। इसके चलते नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई अमल में लाई गई।

मिड-डे मील में गुणवत्ता सुधार को होगी प्रदेश स्तरीय बैठक

चंडीगढ़। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सेहत को मजबूत करने और मिड-डे-मील थाली को पौष्टिकता युक्त बनाने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से मिड-डे-मील योजना को लेकर 12 जनवरी को राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित की जाएगी। अतिरिक्त निदेशक प्रशासन (मिड-डे मील) की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली बैठक में मिड-डे-मील के वितरण, खाना बनाने, ग्रांट के साथ मेन्यू पर भी चर्चा होगी। निदेशालय की ओर से स्पष्ट हिदायत दी गई है कि सभी जिला अधिकारी तय समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंस में अनिवार्य रूप से भाग लें और मिड-डे मील योजना से जुड़े एजेंडा बिंदुओं पर पूरी तैयारी के साथ उपस्थित हों। बैठक के दौरान योजना के क्रियान्वयन, गुणवत्ता, निगरानी व्यवस्था और जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

गुरुग्राम खेल महोत्सव में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी का फिरोजपुर झिरका में हुआ स्वागत

नूंह। गुरुग्राम में सांसद खेल महोत्सव में बॉक्सिंग प्रतियोगिता के दौरान कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले सागर खेरालिया के सम्मान में फिरोजपुर झिरका में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। यह खेल महोत्सव 27 से 29 दिसंबर तक गुरुग्राम में आयोजित किया गया था, जिसमें विभिन्न खेलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। कांस्य पदक जीतने के बाद जब सागर खेरालिया फिरोजपुर झिरका लौटे तो वाल्मीकि मंदिर विकास समिति फिरोजपुर झिरका के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। समिति की ओर से उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया और उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की गई। उपस्थित लोगों ने कहा कि सागर की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को खेलों के प्रति नई प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर समिति द्वारा उन अन्य युवाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने गुरुग्राम लोकसभा खेल महोत्सव में हिस्सा लिया और कांस्य पदक जीता था। इनमें रिजवान खान और आकिब खान और भविष्य कुमार को भी सम्मान से नवाजा गया। वक्ताओं ने कहा कि खेल महोत्सव जैसे आयोजन युवाओं की प्रतिभा को निखारने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं और इससे खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। समारोह में सागर खेरालिया के कोच मनोज कुमार को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि एक खिलाड़ी की सफलता में कोच का मार्गदर्शन और परिश्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोच मनोज कुमार ने युवाओं से निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह के अंत में सभी ने सागर खेरालिया के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और क्षेत्र में खेलों को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया। इस मौके पर पार्षद रणजीत सिंह, रोशन लाल प्रधान, हेमन्त खेरालिया, बसंत कुमार, खेम चन्द, जीतू, राकेश प्रधान, प्रीतम सिंह, अरुण कुमार, विनय कुमार सहित सम्मानित सदस्य मौजूद रहे।

औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में होगा विशेष फोकस : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उद्योग एवं विनिर्माण क्षेत्र का प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से राज्य के आगामी बजट में औद्योगिक क्षेत्र पर पूरा ध्यान दिया जाएगा।

प्रदेश सरकार ने आगामी बजट के लिए यह लक्ष्य रखा है कि बजट अधिक से अधिक रोजगार परक और उद्योगों के अनुकूल हो ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले व 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में हरियाणा का योगदान अग्रणी हो। मुख्यमंत्री गुरुग्राम में बजट पूर्व परामर्श बैठक में उद्यमियों से सीधा संवाद कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बजट पूर्व परामर्श बैठक का लक्ष्य संबंधित हितधारकों के बहुमूल्य सुझाव लेकर प्रदेश में अधिक से अधिक उद्योगों के अनुकूल माहौल बनाना है। बीते वर्ष भी उद्योगों के साथ इस तरह बजट पूर्व परामर्श बैठक की गई थी, जिसमें

बेहतरीन सुझाव आए थे, जिससे नीतियों को अधिक मजबूती मिली। बैठक में सुझाव प्राप्त हुए थे, जिसमें से 71 सुझावों को बजट में शामिल किया गया। उद्योग एवं श्रम विभाग के लिए वर्ष 2025 - 26 बजट में लगभग 1 हजार 951 करोड़ 43 लाख रुपये का प्रावधान किया गया, इसमें से 873 करोड़ 51 लाख रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि बजट से जुड़े अच्छे सुझाव आमंत्रित हैं, कोई भी साथी एआई चैटबोट के माध्यम से अपने सुझाव दे सकता है।

मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार बजट में की गई घोषणाओं को लगातार धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। पिछले बजट में उद्योग एवं श्रम विभाग के बजट को 129.37 प्रतिशत तक बढ़ाया गया था ताकि इसे और अधिक सशक्त बनाया जाए। हरियाणा सरकार ने श्रमिकों के लिए डॉरमेट्री और सिंगल रूम के निर्माण हेतु आईएमटी बावल में 5 एकड़, आईएमटी फरीदाबाद में 2.76 एकड़ तथा आईएमटी सोहना में 5.47 एकड़ भूमि अधिकृत की है। आईएमटी खरखौदा के विस्तार के लिए 3 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से लगभग 5800 एकड़ भूमि की पहचान की जा चुकी है। इसे शीघ्र ही औद्योगिक नीति-2022 के अंतर्गत अधिकृत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज इस बजट पूर्व परामर्श बैठक में अनेक सुझाव आए। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हरियाणा के औद्योगिक विकास के लिए बजट प्रावधानों में विशेष फोकस होगा।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में इसी माह होंगी प्री-बोर्ड परीक्षाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में प्री बोर्ड परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। शिक्षा विभाग शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अध्यापकों और विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन करेगा। वास्तविक बोर्ड परीक्षाओं की तर्ज पर प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी। प्री-बोर्ड परीक्षाओं का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक बोर्ड परीक्षा का अभ्यास कराना है। शिक्षा विभाग ने बोर्ड परीक्षाओं से पहले प्री-बोर्ड परीक्षाएं कराने का फैसला लिया है। शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूलों में 10वीं और 12वीं कक्षा की प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित होंगी। विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को प्री-बोर्ड परीक्षाएं आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों में स्पष्ट हिदायत दी गई है कि अब प्री-बोर्ड परीक्षाओं में भी बोर्ड परीक्षा की तर्ज पर अलग उत्तर-पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि विद्यार्थी साल भर की तैयारी का आकलन आसानी से कर सकें। निदेशालय की ओर से से निर्देश दिए गए हैं कि प्री-बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न-पत्रों के पृष्ठों की संख्या अधिक होने के

कारण छात्रों को उत्तर लिखने में असुविधा होती है। लिहाजा, अब प्रश्न-पत्र के साथ अलग उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी, जो कि वास्तविक बोर्ड परीक्षाओं के पैटर्न पर होगा। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि सभी जिलों में यह व्यवस्था बोर्ड पैटर्न के अनुसार अनिवार्य रूप से लागू की जाएगी।

सोनीपत में पुलिस कर्मियों ने साथी की बीमार बेटी के इलाज को दिए दस लाख

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत पुलिस कर्मियों ने मानवीय संवेदना और आपसी सहयोग का परिचय देते हुए अपने सहकर्मी सिपाही संजय रमन की गंभीर रूप से बीमार सात माह की बेटी के उपचार के लिए दस लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। यह सहायता राशि पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा स्वैच्छिक योगदान से एकत्र की गई। पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने सिपाही संजय रमन को उपचार सहायता का चेक सौंपा। इस अवसर पर जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सोनीपत पुलिस केवल एक विभाग नहीं, बल्कि एक परिवार है। जब परिवार का कोई सदस्य संकट में होता है, तो सभी का दायित्व बनता है कि वे एकजुट होकर सहयोग करें। उन्होंने पुलिस कर्मियों द्वारा

दिखाई गई संवेदनशीलता, एकता और सहयोग भावना की सराहना की। सोनीपत पुलिस ने सिपाही संजय रमन की बेटी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि भविष्य में भी उपचार से संबंधित हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

जी-राम जी योजना से श्रमिक व किसान दोनों को होगा लाभः शिक्षा मंत्री ढांडा

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा है कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत श्रमिकों को अब पहले के मुकाबले अधिक रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही श्रमिकों को उनके काम की राशि भी एक सप्ताह के अंदर उनके खातों में जाएगी। शिक्षा मंत्री ढांडा सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन योजना संसद में पारित हुआ। इसलिए यह पूरी तरह से संवैधानिक प्रक्रिया के अनुरूप बनी योजना है। सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों व विचारों को अपना कर आगे बढ़ रही है और यह योजना भी महात्मा गांधी के स्वराज की परिकल्पना का साकार करने का

काम करेगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में श्रमिक और किसान दोनों के हितों को देखा गया है, श्रमिक को अधिक रोजगार के अवसर दिए गए हैं वहीं किसान की फसल को भी ध्यान में रखा गया है कि उसे भी समय पर मजदूर मिल पाए। उन्होंने कहा कि पहले इस योजना में काम का न कोई निर्धारण था और न ही कोई प्लानिंग थी। अब इसमें काम को चिन्हित किया गया है। काम निर्धारण के बाद उसका बजट उपलब्ध करवाया जाएगा, वहीं श्रमिक को एक सप्ताह के अंदर अंदर सीधे उसके खाते में काम की राशि डालने का प्रावधान किया गया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस योजना में सरकार ने जो बदलाव किया है कि वो बाकायदा संविधान के नियमों के अनुसार संसद के अंदर पारित हुआ है। सरकार सभी कार्य संविधान के अनुरूप करती है। आज दुनिया में भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और दूसरे देश भारत से सीखना चाहते हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मनरेगा में पहले कई तरह की अनियमितताएं थी, कई पात्र लोगों को वंचित रखा जाता था। अब योजना में सीधे श्रमिक के खाते में पैसा जाएगा, वो भी सात दिन के अंदर। इस अवसर पर भाजपा जिला प्रभारी वेद फुला, पार्टी जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, प्रदेश संगठन सचिव सुरेंद्र आर्य, रोहताश जांगड़ा, अमीर चंद मेहता, प्रदीप रातुसरिया आदि मौजूद रहे।

अनाज भंडारण क्षेत्र में उतरेंगी सहकारी समितियां, सीएम पैक्सों से होगी शुरुआत

चीनी मिलों के घाटे को कम करने के लिए बनेगी समन्वय समिति

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सहकारी समितियां अब अनाज भंडारण क्षेत्र में उतरेंगी। सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने इस दिशा में कदम आगे बढाते हुए सीएम पैक्सों से शुरुआत करने तथा इच्छुक सहकारी समितियों को चिन्हित करने के निर्देश दिए हैं। यही नहीं प्रदेश के सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए भी जल्द ही समन्वय समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। सहकारिता मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने हरियाणा सिविल सचिवालय में सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेन्द्र कुमार एवं सभी सहकारी संस्थाओं के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। सहकारिता मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश में अनाज भंडारण के लिए गोदाम निर्माण के उद्देश्य से हैफेड को नोडल एजेंसी बनाते हुए

10 लाख मीट्रिक क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए अधिकृत किया गया है। इस दिशा में हैफेड द्वारा अब तक 3.35 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण के लिए मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि 1.38 लाख लाख मीट्रिक टन के लिए प्रस्ताव राज्य स्तरीय समिति को भेज दिए गए हैं। सहकारी समितियां आत्मनिर्भर भारत - विकसित भारत संकल्प में अपना अहम योगदान दे सकें, इसके लिए सीएम पैक्सों को भी अनाज भंडारण क्षेत्र में अवसर दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में अब तक पंजीकृत सभी सीएम पैक्सों को इस संभावना के बारे में अवगत करवाते हुए अवसर प्रदान किए जाएं, ताकि उन्हें व्यवहारिक तौर पर अवसर उपलब्ध करवाए जा सकें। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए भी सहकारी चीनी मिल प्रसंघ को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एक समन्वय समिति गठित की जाए, जो सभी चीनी मिलों के निरीक्षण करते हुए मिलों को घाटे से उभारने बारे रिपोर्ट दे।

गुरुग्राम में सिधरावली उपस्वास्थ्य केंद्र बनेगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य मंत्री ने दी मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में जनसुनवाई का आयोजन कर राज्य के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर पहुंचे। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के स्पष्ट निर्देश दिए। आरती सिंह राव ने जनसुनवाई के दौरान मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी शिकायतों का निपटारा तय समय सीमा के भीतर किया जाए और इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि जिन मामलों में तुरंत कार्रवाई संभव है, उनमें तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए और जटिल मामलों में संबंधित व्यक्ति को स्थिति से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करना ही सुशासन की पहचान है। आरती सिंह राव ने कहा कि आजकल सरकारी सेवाओं में डिजिटल तकनीक का अधिक से अधिक उपयोग किया जा रहा है ताकि सेवाएं पारदर्शी, तेज और प्रभावी बन सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली को और मजबूत किया जाए ताकि लोग घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकें और उसकी स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि हरियाणा सरकार जनता के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

गन्नौर में पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के नाम पर होगा स्टेडियम

एजेंसी

सोनीपत। नगरपालिका सदन की बैठक नपाध्यक्ष अरुण त्यागी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नामित सहित 19 में से 17 पार्षद उपस्थित रहे, जबकि वार्ड 10 और 12 के पार्षद अनुपस्थित रहे। विधायक देवेंद्र कादियान बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। लगभग दो घंटे तक चली बैठक में शहर के विकास कार्यों, जनसुविधाओं और लंबित समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। सर्व सम्मति से स्टेडियम का नाम अटल स्टेडियम पास किया गया।

देवेंद्र कादियान ने कहा कि शहर के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। शहर के पार्कों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा और प्रमुख चौकों का नामकरण किया जाएगा। रेलवे रोड पर जीटी रोड से रेलवे स्टेशन तक व्यवस्थित ढंग से जाली लगाई जाएगी। अड्डा क्षेत्र में बने महाराजा अग्रसेन द्वार की तर्ज पर बेगा रोड पर यमुना द्वार सहित अन्य द्वारों का निर्माण किया जाएगा। गन्नौर स्टेडियम का नाम अटल रखने की घोषणा भी की गई। विधायक ने बताया कि गांधी नगर क्षेत्र में विकास कार्यों की सबसे अधिक आवश्यकता है, इसलिए इस क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में वार्ड पार्षद कृष्ण टांक ने रेलवे लाइन के दूसरी ओर श्मशान घाट की मांग रखी, वार्ड 6 के पार्षद अजय सरोहा ने गौशाला से सटी गली में लंबे समय से जलभराव की समस्या उठाई। पार्षद सतबीर शर्मा ने वसंत विहार में पानी की निकासी की समस्या रखी। बैठक में अड्डा क्षेत्र में ओवर ब्रिज के नीचे शौचालय निर्माण, आधार पहचान पत्र केंद्र बंद होने और मतदाता सूची अधिकारियों की लापरवाही जैसे मुद्दे भी उठे। विधायक ने उपमंडल अधिकारी से दूरभाष पर बात कर संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर सख्त निर्देश

जारी करने को कहा। अरुण त्यागी ने बताया कि नगरपालिका द्वारा अब तक लगभग 690 बेसहारा गोवंश और 300 बंदरों को पकड़ा गया है। विधायक ने इसे शहर के लिए आवश्यक कदम बताया। विधायक ने कहा कि प्रत्येक वार्ड में 50-50 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य कराए गए हैं। करीब 17 करोड़ रुपये की लागत से वर्षा जल निकासी योजना की निविदा शीघ्र जारी की जाएगी। नगरपालिका की आय बढ़ाने के लिए चिन्हित भूमि पर व्यावसायिक भवन निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। इस अवसर पर नपा सचिव प्रदीप खर्ब, एमई राहुल मोर, जेई अरविंद सहित पार्षदगण मौजूद रहे।

चीफ जस्टिस के आगमन से पहले पुलिस ने की फाइनल रिहर्सल, दिए कड़े निर्देश

एजेंसी

हिसार। चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नारनौंद और पेटवाड़ में कार्यक्रमों को देखते हुए हांसी के पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने फाइनल रिहर्सल की और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान कोई भी कर्मचारी ड्यूटी में लापरवाही ना बरतें। कार्यक्रमों को मद्देनजर रखते हुए यातायात प्रबंधन, पार्किंग बैरिकेडिंग, ट्रेफिक रुट डयुटी, और वीवीआईपी मुवमेंट इत्यादि से सम्बन्धित सभी प्रकार के उचित प्रबंध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन कार्यक्रम स्थल पर काफी देर तक निरीक्षण करते रहे। उनके साथ एडिशनल सेशन जज निशांत शर्मा व सीजेएम अशोक कुमार ने भी कार्यक्रम में सुरक्षा को लेकर काफी देर तक चर्चा की। जिस बिल्डिंग में कोर्ट की शुरुआत होगी उसका भी निरीक्षण किया गया। उसी के साथ बार एसोसिएशन का कार्यक्रम होगा, वहां के लिए वाटर प्रूफ टेंट लगाया जा रहा है। वहां पर भी जाकर व्यवस्था की जानकारी ली। वहां पर

किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। उसके बाद पुलिस अधीक्षक गांव पेटवाड़ पहुंचे और वहां पर भी सुरक्षा को लेकर गहनता से मंथन किया।

इस अवसर हिसार के एडिशनल सेशन जज निशांत शर्मा, सीजेएम अशोक कुमार भी मौजूद रहे। डीएसपी देवेन्द्र नैन, डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई, डीएसपी विनोद शंकर, डीएसपी रविंदर सांगवान, थाना प्रभारी रमेश कुमार, इंस्पेक्टर पवित्र कुमार इत्यादि विशेष तौर पर मौजूद थे।

हाइड्रोजन प्लांट में ट्रेन का हुआ स्टेशनरी ट्रायल

एजेंसी

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को चलाने के लिए रेलवे विभाग द्वारा हाइड्रोजन प्लांट में ही स्टेशनरी ट्रायल किया जा रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन को ईंधन आपूर्ति के लिए हाइड्रोजन प्लांट को अंतिम कमीशनिंग एवं नियमित संचालन के दौरान स्थिर और निर्बाध 11 केवी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। हाइड्रोजन गैस से चलने वाले इंजन धुएं की बजाय भाप और पानी छोड़ेंगे। इसलिए इसमें धुआं नहीं निकलेगा और पर्यावरण प्रदूषण भी नहीं होगा। स्टेशनरी ट्रायल पूरा होने के बाद हाइड्रोजन ट्रेन का रनिंग ट्रायल होगा। जिसमें अभी कुछ समय लग सकता है। रनिंग ट्रायल से पहले फिटनेस जांच की गई। गौरतलब है कि जींद से सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन चलेगी। ट्रेक पर उतरने से पहले रेलवे अधिकारी इसकी पूरी तरह जांच करने में लगे हुए हैं। रेलवे इस बड़े प्रोजेक्ट को लेकर कोई कसर नहीं रखना चाहती। इसके लिए हर चीज की बारीकी से जांच की जा रही है। इसी के चलते हाइड्रोजन प्लांट में पिछले एक सप्ताह से जांच जारी है। एक जनवरी को हाइड्रोजन ट्रेन जींद जंक्शन पर पहुंच गई थी। टीम द्वारा हाइड्रोजन ट्रेन की टेस्टिंग की जा रही

है। टीम पावर कार, उससे जुड़े सुरक्षा, नियंत्रण उपकरण, स्पीड सेंसर, कंट्रोल सिस्टम को अलग-अलग गति पर परखा जा रहा है ताकि जब ट्रेन ट्रैक पर उतरे तो ट्रेन निर्धारित मानकों के अनुसार सुरक्षित रूप से संचालित हो सके। इस समय जींद-सोनीपत रूट पर तीन ट्रेन चल रही हैं। रेलवे के वरिष्ठ रेलवे अधिकारी राधेश्याम तिवारी ने बताया कि जींद से सोनीपत की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है। यह ट्रेन 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। एक घंटे में लोग सोनीपत पहुंच सकेंगे।

हरियाणा सरकार की महिला हितैषी घोषणाएँ खोखली : सांसद कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा सरकार एक ओर लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की 43,747 आंगनबाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स को उनका वैधानिक मानदेय तक समय पर नहीं दिया जा रहा। यह स्थिति सरकार के महिला-सम्मान के दावों की पोल खोलती है। यह बात सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जुलाई माह से केंद्र सरकार के हिस्से का मानदेय जारी नहीं होने के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने लगभग 3000 तक कम भुगतान मिल रहा है। इससे हजारों गरीब महिलाएं गंभीर आर्थिक संकट में फंस गई हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य निगरानी और प्रारंभिक शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मजबूरी में उधार लेने, बच्चों की स्कूल फीस न भर पाने और घरेलू खर्च चलाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार महिलाओं के नाम पर योजनाओं का प्रचार कर सकती है, तो मेहनत करने वाली गरीब महिलाओं का हक क्यों छीना जा रहा है। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय है। कुमारी सैलजा ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही केंद्र व राज्य सरकार मिलकर बकाया मानदेय जारी नहीं करतीं, तो कांग्रेस पार्टी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सड़क से संसद तक संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, जिसका सीधा नुकसान बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। कांग्रेस पार्टी आंगनबाड़ी बहनों के सम्मान, अधिकार और पूरे मानदेय के लिए मजबूती से खड़ी है। एचपीएससी व एचटेट में गड़बड़ियों के आरोप की हो निष्पक्ष जांचः सांसद कुमारी सैलजा ने एचपीएससी भर्ती प्रक्रिया और एचटेट परीक्षा परिणाम को लेकर सामने आए गंभीर आरोपों पर कड़ा रुख अपनाया है।

एसबीआई फोकस्ड फंड, लंबी अवधि का निवेश बनाता है करोड़पति

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन असली फायदा लंबे समय तक निवेश बनाए रखने से मिलता है। एसबीआई फोकस्ड फंड इसका बेहतरीन उदाहरण है। यह फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन करता आया है और निवेशकों को समय के साथ मजबूत कॉर्पस बनाने में मदद करता है। अगर किसी निवेशक ने 20 साल पहले हर महीने 10,000 रुपए की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 1.54 करोड़ रुपए बन चुका होता। यह साबित करता है कि नियमित निवेश और कंपाउंडिंग समय के साथ कितना प्रभावशाली हो सकता है। बीते 3, 5, 10 और 20 वर्षों में फंड ने एसआईपी निवेशकों को औसतन 16 फीसदी से अधिक का सालाना रिटर्न दिया। 3 साल की एसआईपी पर 18.56, 5 साल पर 16.04 और 10 साल पर 16.09 फीसदी सीएजीआर मिला। फंड का लंपसम निवेश में भी मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आम निवेशकों के लिए एसआईपी ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीका है, क्योंकि यह बाजार की उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।

भारत फंसे कर्ज घटाने में दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली ।

जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में भारतीय बैंकों का फंसा कर्ज (एनपीए) घटकर 2-4 फीसदी पर आ गया है। 2015 में यह 5.9 फीसदी था। पिछले एक दशक में 3.5 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज है। बैंकों ने कर्ज वसूली और एनपीए प्रबंधन के लिए कड़े उपाय अपनाए हैं। साथ ही आरबीआई की निगरानी, वित्तीय संस्थानों की सुधार प्रक्रिया और स्वच्छ कर्ज नीति ने भी योगदान दिया। एनपीए में गिरावट न केवल बैंकिंग क्षेत्र की वित्तीय सेहत सुधारती है, बल्कि यह पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत भी है। विशेषज्ञ इसे बैंकिंग सुधार का सबसे बड़ा उदाहरण मान रहे हैं।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय` रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

दिसंबर 2025 में सोना-चांदी के ईटीएफ में एयूएम 2 लाख करोड़ के पार

साल की शुरुआत में एयूएम केवल 57,000 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) की संयुक्त प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) दिसंबर 2025 में पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार चली गईं। साल की शुरुआत में यह केवल 57,000 करोड़ रुपये थी, जो सितंबर तक लगभग दोगुनी होकर 1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। केवल चार महीनों में एयूएम में इतनी तेजी रिकॉर्ड निवेश और कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण हुई। दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में 11,700 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में निवेश दोगुना से अधिक बढ़कर 4,700 करोड़ रुपये हुआ। 2025 में कुल शुद्ध निवेश गोल्ड ईटीएफ में 43,000 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ में 24,200 करोड़ रुपये रहा। गोल्ड ईटीएफ की निवेश दर म्युचुअल फंड श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड के बाद दूसरे स्थान पर रही। 2025 में सोने की कीमत में 75 फीसदी और चांदी की कीमत में 168 फीसदी की वृद्धि हुई। भू-राजनीतिक

तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, डॉलर का नरम होना सोने की मांग बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। चांदी की कीमतों को मजबूत औद्योगिक मांग और आपूर्ति बाधाओं ने सहारा दिया। सोने के ईटीएफ फोलियो में पहले 11 महीनों में 53 फीसदी वृद्धि, जबकि चांदी में चार गुना वृद्धि दर्ज हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की यह तेजी दीर्घकालिक संरचनात्मक कारणों से प्रेरित है, और कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल लंबे समय तक कायम रह सकता है।

भारत के ट्रैक्टर उद्योग ने 2025 में दर्ज की मजबूत बिक्री

996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, 2026 में भी मजबूत मांग की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत का ट्रैक्टर उद्योग वित्त वर्ष कैलेंडर वर्ष 2025 को मजबूती के साथ समाप्त करने में सफल रहा। फाडा रिसर्च के अनुसार इस दौरान 996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, जो 2024 की 893,706 यूनिट की बिक्री से 11 प्रतिशत से अधिक है। बिक्री लगभग 10 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जिससे उद्योग की स्थिर मांग का संकेत मिलता है। मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था, बेहतर ग्रामीण नकदी प्रवाह और अनुकूल फसल उत्पादन ने इस वृद्धि में योगदान दिया। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमऐंडएम) ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 23.88 प्रतिशत कर ली, जबकि इसके स्वराज डिवीजन की हिस्सेदारी 18.72 प्रतिशत रही। दोनों ब्रांडों ने मिलकर साल भर उद्योग की बिक्री में 42 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स (सोनालिका) ने 126,741 यूनिट बेचीं, लेकिन उसकी बाजार हिस्सेदारी 12.72 प्रतिशत पर सीमित रही।

भारत में ईवी बाजार 2025 में तेजी से बढ़ा, बाजार मे प्रतिस्पर्धा बढ़ी

-यात्री वाहनों की बिक्री में 77 फीसदी की वृद्धि देखी गई

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 2025 में मजबूत बढ़त दर्ज कर रही है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के 99,875 से बढ़कर 176,817 हो गई, यानी 77.04 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि, नए मॉडल और कंपनियों के प्रवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। टाटा मोटर्स ने 70,004 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो पिछले साल से 13.28 फीसदी अधिक हैं। इसके बावजूद, उसकी बाजार हिस्सेदारी 61 फीसदी से घटकर 39.6 फीसदी रह गई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री दोगुनी से अधिक बढ़कर 51,387 वाहन हो गई, जिससे उसकी हिस्सेदारी 21.8 फीसदी से 29.1 फीसदी तक पहुंची। महिंद्रा × महिंद्रा ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, बिक्री लगभग 5 गुना बढ़कर 33,513 वाहन हुई। प्रीमियम सेगमेंट में ह्युंडै, बीवाईडी, बीएमडब्ल्यू और किआ ने तीन अंकों में वृद्धि की, जबकि स्टेलेंटिस और वॉल्वो की बिक्री में गिरावट आई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टीवीएस मोटर 298,881 वाहनों के साथ आगे रही, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 23.35 फीसदी तक बढ़ी। बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। एथर एनर्जी की बिक्री 58.91 फीसदी बढ़कर 200,797 वाहन हो गई। इसके विपरीत, ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री आधी होकर 199,318 रह गई और बाजार हिस्सेदारी 35.47 फीसदी से घटकर 15.57 फीसदी हो गई। विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में और बदलाव संभव हैं, क्योंकि मारुति सुजूकी जैसे दिग्गज भी ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। 15 लाख रुपये से कम वाले सेगमेंट में नए विकल्पों ने मांग बढ़ाई है, जिससे दोनों यात्री और दोपहिया ईवी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 780 अंक, निफ्टी 263 अंक नीचे आया

निवेशकों के 4 दिन में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूबे

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक नीचे आकर 84,180.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक फिसलकर 25,876.85 पर पहुंच गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार , निवेशकों के 4 दिन में ही 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गये। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4 दिन में 7.19 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर 474 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से , टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। आज वेदांता के शेयरों में सबसे अधिक 3.01 फीसदी की गिरावट रही और ये 603.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुस से तेल खरीदने पर 500 फीसदी शुल्क लगाने वाले बिल को लेकर भी निवेशकों में घबराहट है ओर वे बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। यह, साथ ही अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के संबंध में कोई ठोस घोषणा न होने से, निवेशक घबरा रहे हैं। इससे भी बाजार गिरा है। इसी कारण बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट रही है। पिछले 4 दिन में ही सेंसेक्स में 1565 अंक से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, निफ्टी 50 में 1.70 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जाने के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार से रकम निकालते जा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से कोई समर्थन न मिलने की वजह से गुरुवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली। कमोडिटी कीमतों में भी गिरावट आई, जिससे कमोडिटी स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। हिन्दुस्तान जिंक के शेयर गुरुवार को 6 फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में एक दिन में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। रूस प्रतिबंध अधिनियम ने नए सिरे से ट्रेड वार का डर खड़ा कर दिया है। बिल में रूस से क्रूड ऑयल का आयात करने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। मेगाकैप स्टॉक्स में गुरुवार को भी बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। इस हफ्ते की शुरुआत में इन दोनों दिग्गज स्टॉक्स में 4 फीसदी तक की गिरावट आई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,778.02 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 26,106 के स्तर पर खुला और खुलते ही 26,100 के नीचे फिसल गया।बाजार में फिलहाल चुनिंदा शेयरों में ही गतिविधि देखने को मिल रही है। वैश्विक स्तर पर बाजारों की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला से जुड़े हालिया कदमों पर टिकी हुई है।

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार
वैश्वि बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गुरुवार को घरेलू बाजार में कमजोरी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1,37,750 रुपये जबकि चांदी 2,50,400 रुपये के आसपास कारोबार कर रही थी। निवेशक वैश्विक संकेतों और डॉलर में उतार-चढ़ाव पर नजर बनाए हुए हैं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट गुरुवार को 13 रुपये की गिरावट के साथ 1,37,996 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,38,009 रुपये था। शुरुआती कारोबार के दौरान इसमें और दबाव देखने को मिला और यह 251 रुपये टूटकर 1,37,758 रुपये तक फिसल गया। दिन के कारोबार में सोने ने 1,37,996 रुपये का उच्च और 1,37,522 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले साल सोना 1,40,465 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 436 रुपये की बढ़त के साथ 2,51,041 रुपये प्रति किलो पर खुला। हालांकि शुरुआती तेजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और बाद में यह 184 रुपये

की गिरावट के साथ 2,50,421 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान चांदी ने 2,51,889 रुपये का उच्च और 2,50,286 रुपये का निचला स्तर देखा। इस साल चांदी 2,59,692 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,467.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला, लेकिन बाद में 11.20 डॉलर की गिरावट के साथ 4,451.30 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस साल सोने ने 4,584 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 77.96 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर 0.30 डॉलर की तेजी के साथ 77.91 डॉलर प्रति औंस पर

कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी, पर आसान नहीं- सीईए

सात क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता जरूरी, तीन हाई-टेक क्षेत्रों में चुनौतियां बरकरार

नई दिल्ली ।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि देश के लिए कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण अत्यंत आवश्यक है, हालांकि सभी क्षेत्रों में इसकी व्यावहारिकता समान नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम), बैटरी सेल व कैथोड मैटेरियल्स तथा सोलर वेफर्स और सोलर सेल्स जैसे तीन क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी तो है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता फिलहाल कम से मध्यम स्तर की है। आरईपीएम के वैश्विक उत्पादन में चीन का लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण है। इन मैग्नेट्स का उपयोग विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर सहित ऑटोमोबाइल कलपुर्जों में होता है। अप्रैल 2025 से चीन द्वारा भारत को आरईपीएम के निर्यात पर रोक लगाए जाने से घरेलू ऑटो उद्योग प्रभावित हो रहा है। सीईए ने सात ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां स्वदेशीकरण अत्यधिक जरूरी और अत्यधिक व्यावहारिक है। इनमें दालें, खाद्य तेल व तिलहन, एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) और उर्वरक इनपुट्स के विकल्प शामिल हैं।

दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी वीवो कंपनी

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में चाइनीज कंपनी वीवो जल्द ही अपने दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी में है। वीवो के दो डिवाइस, जिनके मॉडल नंबर वी237 और वी2561 बताए जा रहे हैं। ब्लूटूथ लिस्टिंग के मुताबिक इन स्मार्टफोन्स के नाम वीवो एक्स300 एफई और वीवो एक्स200 टी हो सकते हैं।

हालांकि कंपनी की ओर से अभी लॉन्च डेट को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन बीआईएस लिस्टिंग से यह साफ है कि भारत में इनकी एंट्री ज्यादा दूर नहीं है। लीक रिपोर्ट्स की मानें तो वीवो एक्स300 एफई को चीन में लॉन्च हुए एस50 प्रो

मिनी का रीब्रैंडेड वर्जन बताया जा रहा है। इस फोन में 6.31 इंच का 1.5के रेजॉलूशन वाला ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिए जाने की उम्मीद है। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस और 50 मेगापिक्सल का 3गुणा पेरिस्कोप कैमरा शामिल हो सकता है, जबकि फ्रंट में 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप में तीनों सेंसर 50 मेगापिक्सल के हो सकते हैं।

कीमत की बात करें तो वीवो एक्स 300 एफई करीब 60 हजार रुपये और एक्स200 टी लगभग 55 हजार रुपये के प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकता है। वहीं वीवो एक्स200 टी को एक्स200एस का रीब्रैंडेड वर्जन माना जा रहा है, जिसे चीन में अप्रैल 2025 में लॉन्च किया गया था। इसमें 6.31 इंच का 1.5के ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले, 120एचझेड रिफ्रेश रेट, डायमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट और 6200 एमएएच की बैटरी मिल सकती है, जो 90वॉट वायर्ड और 40वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च

नई दिल्ली।

साल 2026 में सैमसंग कंपनी ने दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह टीवी अब तक की सबसे बड़ी और सबसे एडवांस्ड डिस्प्ले तकनीक के साथ उपलब्ध है। टेलीविजन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सैमसंग ने एक बार फिर अपनी बढ़त साबित की है।

यह टीवी केवल साइज में बड़ा नहीं है, बल्कि कलर, कंट्रास्ट, शैडो डिटेल और ऑडियो एक्सपीरियंस के मामले में भी एक नया बेंचमार्क सेट करता है। सैमसंग का यह नया मॉडल नेक्सट जेनरेशन कलर प्रोसेसिंग, एचडीआर10 प्लस एडवांस्ड सपोर्ट, एआई-एक्सीलरेटेड कलर और ग्लारे फ्री टेक्नोलॉजी से लैस है, जो हर तरह के कंटेंट को ज्यादा रियल और इमर्सिव बनाता है। सैमसंग का 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी, मॉडल आर95एच, कंपनी की माइक्रो आरजीबी सीरीज का अब तक का सबसे बड़ा और प्रीमियम वर्जन है। इसमें इंडिविजुअली कंट्रोल होने वाली माइक्रो आरजीबी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पारंपरिक मिनी एलईडी या एलसीडी की तुलना में ज्यादा सटीक रंग और गहरा कंट्रास्ट देखने को मिलता है।

एआई-आधारित प्रोसेसिंग की मदद से खासतौर पर डार्क और लो-लाइट सीन में तस्वीरें ज्यादा नैचुरल और डिटेल्ड नजर आती हैं।

विजन एआई कॉमेनियन जैसे फीचर्स टीवी को स्मार्ट एंटरटेनमेंट हब में बदल देते हैं,

जहां एआई-बेस्ड सजेशन, लाइव ट्रांसलेशन और एडवांस साउंड कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

साउंड सिस्टम भी टीवी के फ्रेम में इंटीग्रेटेड है, जिससे पिक्चर और ऑडियो का तालमेल और ज्यादा प्रभावशाली बनता है।यह टीवी 100 प्रतिशत बीटी.2020 वाइड कलर गमट को सपोर्ट करता है, जिसे सटीक कलर रिप्रोडक्शन के लिए सर्टिफिकेशन भी मिला है।

युवाओं में 150-200सीसी बाइक सेगमेंट खासा लोकप्रिय

नई दिल्ली । भारतीय युवाओं में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट खासा लोकप्रिय रहा है। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट में कुल 1,75,805 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। नवंबर 2024 के मुकाबले यह करीब 20.44 प्रतिशत की सालाना बढ़त को दर्शाता है।

वहीं, अक्टूबर 2025 में दर्ज 2,10,831 यूनिट्स की तुलना में नवंबर में लगभग 16.61 प्रतिशत की मासिक गिरावट देखी गई। यह गिरावट त्योहारों के बाद मांग के सामान्य स्तर पर लौटने का संकेत मानी जा रही है।

ब्रांड्स की बात करें तो टीवीएस अपाचे ने नवंबर में भी अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। इसकी बिक्री 48,764 यूनिट्स रही और सालाना आधार पर करीब 37 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, अक्टूबर के मुकाबले इसकी बिक्री में 20 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। बजाज पल्सर ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 45,246 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की और यह मजबूत नंबर-2 बनी रही। अपाचे और पल्सर मिलकर इस सेगमेंट की आधे से ज्यादा बिक्री पर कब्जा जमाए हुए हैं। होंडा यूनिकॉर्न ने 32,968 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। इसकी बिक्री सालाना और मासिक दोनों स्तर पर स्थिर रही, जो इसकी भरोसेमंद छवि को दर्शाती है।

यामाहा की नई बाइक एक्सएसआर ने 16,359 यूनिट्स की बिक्री के साथ शानदार एंट्री की, जबकि एफझेड, आर 15 और एमटी-15 जैसे पुराने मॉडल्स की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा होंडा एसपी 160, हीरो एक्सपल्स 200 और होंडा हॉर्नेट 2.0 ने भी सालाना आधार पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं केटीएम, हीरो, सुजुकी और कावासाकी की बाइकों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। कुल मिलाकर, नवंबर 2025 में यह सेगमेंट सालाना मजबूती के साथ आगे बढ़ता नजर आया। हालांकि, त्योहारों वाले अक्टूबर महीने के मुकाबले बिक्री में कुछ गिरावट जरूर आई, लेकिन सालाना आधार पर ग्रोथ ने बाजार की मजबूती को साफ तौर पर दिखाया।

राहत की उम्मीद- 60 डॉलर के नीचे गिरा कच्चा तेल,

घटेंगे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब के लिए नए साल की शुरुआत एक बड़ी खुशखबरी के साथ हुई है। कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत द्वारा खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की औसत लागत 60 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई है। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में अब तक भारतीय कच्चा तेल बास्केट का औसत भाव 59.92 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया है। फरवरी 2021 के बाद यह पहला अवसर है जब कच्चे तेल की कीमतें इस निचले स्तर तक पहुंची हैं।

इससे पहले दिसंबर 2025 में यह औसत 62.2 डॉलर प्रति बैरल के करीब था। वैश्विक बाजार में आपूर्ति की अधिकता और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मांग की सुस्ती ने कीमतों को नीचे धकेलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

बाजार विशेषज्ञों और शोध संस्थानों का मानना है कि कच्चे तेल के दामों में आई यह गिरावट महज एक अस्थायी दौर नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक रुझान की ओर इशारा कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के मौजूदा संकेतों का विश्लेषण करने वाली विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय कच्चा तेल बास्केट में आगे भी नरमी बनी रहने की प्रबल संभावना है। अनुमान जताया गया है कि मार्च 2026 तक कीमतें गिरकर 53 डॉलर और जून 2026 तक यह 50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी तोड़ सकती हैं। यदि यह अनुमान सही साबित होते हैं, तो सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बड़ी कटौती करने का पर्याप्त आधार होगा। इससे न केवल परिवहन लागत घटेगी, बल्कि रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है।

भारत अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाला मामूली बदलाव भी देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डालता है। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल महज 1 डॉलर की कमी आने से भारत के सालाना तेल आयात बिल में करीब 13 हजार करोड़ रुपये की भारी बचत होती है।

अवैध कब्जे और बेघर होता भारतः एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

ललित गर्ग

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है।

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे ह्यवैधताह्न का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरूआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है।

विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरूआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके।

समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती?

संपादकीय

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी।

चिंतन-मनन

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हमें जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करे। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है। हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दशार्ते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होता है वह प्रसन्न होता है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराता है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है। ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

वेनेजुएला पर ट्रंप की सख्ती- नया वैश्विक टकराव

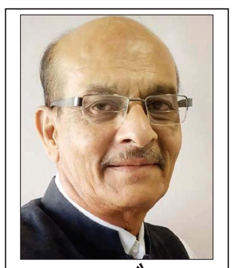

सनत जैन

वेनेजुएला को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की हालिया आक्रामक कार्रवाई ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति एवं सामरिक तनाव को तेज कर दिया है। प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना, समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाना और कथित तौर पर रूस से जुड़े जहाज की जप्ती जैसे कदम केवल वेनेजुएला तक सीमित नहीं हैं। इनके दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है, अमेरिका, लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अपने वर्चस्व को आर्थिक एवं सामरिक दृष्टिकोण अपनाते हुए ट्रम्प कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए रूस और चीन के साथ सीधा टकराव लेने की ट्रंप की सोच है। अमेरिका और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था पर जो संकट देखने को मिल रहे हैं उसके बाद यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी डॉलर मुद्रा तथा वैश्विक व्यापार के वर्चस्वको बनाए रखना चाहता है। उसके लिए ट्रंप अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं। ट्रम्प ने टेरिफ के बहाने जो नया खेल खेला था। उसमें वह असफल हो गए है। अमेरिका में मंहगाई और आर्थिक स्थिति पर इसके दुष्परिणाम दिखने लगे है। इससे बचने के लिये अब ट्रम्प ने वेनेजुएला का मुद्दा खड़ा करके अमेरिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते है? वेनेजुएला लंबे समय से रूस और चीन का रणनीतिक साझेदार है। रूस ने वहां ऊर्जा, हथियार और सैन्य सहयोग किया है। जबकि चीन ने कर्ज, बुनियादी ढांचा और तेल समझौतों के जरिए अपनी गहरी पैठ बनाई है। रूस और चीन के हथियार भी वेनेजुएला में है। ऐसे में किसी रूसी जहाज की जप्ति केवल एक कानूनी या तकनीकी कार्रवाई के रूप में नहीं देखी जा सकती है। इस कार्रवाई को रूस के प्रभाव को खुली चुनौती के रूप में ही देखा जाएगा। मॉस्को ट्रंप की इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वतंत्रता पर हमला बताकर कूटनीतिक विरोध, जवाबी प्रतिबंध या समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने जैसे कदम उठा सकता है। हालांकि रूस सीधे सैन्य टकराव से बचता हुआ दिख रहा है। समय आने पर इसकी प्रतिक्रिया बड़े रूप में हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के देशों में अमेरिका, विरोधी मंचों पर इस मुद्दे का जोर-शोर से उठना तय है। चीन का रुख अपेक्षाकृत संतुलित होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से दीर्घकालिक होगा। बीजिंग आमतौर पर प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून, बहुपक्षवाद और संप्रभुता के सिद्धांतों की बात करते हुये इस समस्या के समाधान की कोशिश करेगा, ऐसी संभावना देखने को मिलती है। अमेरिका की कार्रवाई को चीन ह्लएकतरफा दबाव नीतिह्न करार देकर वैश्विक मंच पर अमेरिका को अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों तथा वैश्विक व्यापार संधिकरण की नीति को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। इसके साथ चीन वेनेजुएला में अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों, गुप्त या अप्रत्यक्ष रूप से वेनेजुएला की मदद रूस के साथ तालमेल कर ट्रंप की दादागिरी को चुनौती देने का काम कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का वैश्विक प्रभाव तेल बाजारों,समुद्री व्यापार, वैश्विक व्यापार और विकासशील देशों की आर्थिक एवं विदेश नीति पर पड़ना तय है। वह देश जो अमेरिकी प्रतिबंधों से असहमत हैं। वह चीन-रूस खेमे की नीतियों की और झुक सकते हैं। अमेरिका समर्थक देश भी ट्रंप की इस तरह की कार्यवाही के खुले समर्थक नहीं है। इसका असर नाटो देश और यूरोपियन संगठन में भी देखने को मिल रहा है। वह ट्रंप की इन नीतियों का कितना समर्थन करेंगे, वर्तमान में कहना मुश्किल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिस तरह की नीतियां आ रही हैं। उसके बाद दुनिया एक बार फिर आर्थिक एवं सामरिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ती हुई दिख रही है। विकासशील देश एवं वेनेजुएला जैसे देश

महाशक्तियों की रस्साकशी का मैदान बन रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सारी दुनिया के सामने है। अमेरिका की इस कार्रवाई से वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो आर्थिक परिवर्तन सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला था। निश्चित रूप से वह तेजी के साथ सिमटने लगेगा। जिसका दुष्प्रभाव आर्थिक मंदी के रूप में जल्द ही सामने आ सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की वैश्विक चिंताएं सामने आने लगी हैं।

सुप्रीम कोर्ट का उपद्रवियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नजरिया

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली के दंगाइयों को शीर्ष अदालत ने राहत देने से सीधा इंकार कर दिया यह अदालत की अराजकता से निबटने की जीरो टॉलरेंस को नीति का हवाला देता है। उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से साफ इंकार करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने साथ ही उमर खालिद और शरजील इमाम पर इस मामले में एक साल तक जमानत याचिका दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की बैंच ने हालांकि इस मामले में अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाय अहमद को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी है।

इस मामले में बैंच ने कहा, अदालत इस बात से संतुष्ट है कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से याचिकाकताओं उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया आरोप सिद्ध होते हैं। इन याचिकाकताओं के संबंध में वैधानिक कसौटी लागू होती है। कार्यवाही के इस चरण में उन्हें जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है। अदालत ने कहा कि जिन लोगों को जमानत मिली है, उनकी भूमिका सीमित और परिस्थितिजन्य मानी गई है, जबकि उमर खालिद और शरजील इमाम पर दंगों की साजिश रचने, भीड़ को भड़काने और सुनियोजित तरीके से हिंसा को दिशा देने के गंभीर आरोप हैं। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय का यह फैसला केवल दो व्यक्तियों की जमानत याचिका का निपटारा नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प का स्पष्ट संदेश है।

आपको पता रहे उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोग कोई साधारण आरोपी नहीं हैं। ये वह चेहरे हैं जिन्होंने विचारधारा की आड़ में सड़कों पर आग लगाने की मानसिकता को खाद पानी दिया। यह साबित हो चुका है कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे। उनके पीछे शब्दों के बारूद, भाषणों की चिंगारी और योजनाबद्ध उकसावे की लंबी तैयारी थी। ऐसे मामलों में यदि अदालत नरमी दिखाती, तो यह न केवल न्याय के साथ अन्याय होता बल्कि समाज के लिए एक खतरनाक संकेत भी जाता। अदालत ने सही कहा कि इन दोनों की स्थिति अन्य आरोपियों से अलग है। यह अंतर केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। दंगा केवल पत्थर फेंकने से नहीं होता, दंगा उस सोच से पैदा होता है जो समाज को बांटने का काम करती है। जब किसी मंच से यह कहा जाए कि सड़कों पर उतर कर व्यवस्था को जाम कर दो, तब वही शब्द बाद में आग वन जाते हैं। जमानत खारिज करने का फैसला उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाना चाहते हैं। यह फैसला बताता है कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता फैलाने की छूट नहीं है। मुकदमे में देरी को लेकर अदालत की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वर्षों से एक तर्क गढ़ लिया गया था कि अगर मुकदमा लंबा चल रहा है, तो आरोपी को स्वतः राहत मिलनी चाहिए। यह सोच न्याय व्यवस्था को कमजोर करती है। अगर गंभीर साजिशों में केवल समय के आधार पर जमानत मिलने लगे, तो हर देश विरोधी ताकत समय को हथियार बना लेगी। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उपद्रवी और दंगाई मानसिकता वाले लोगों पर पड़ेगा। अब यह भ्रम टूटेगा कि लंबी कानूनी प्रक्रिया अंततः उन्हें बचा लेगी। देखा जाये तो अदालत का सख्त रुख भारत की आतंकवाद के खिलाफ चल रही लढाई को मजबूत करता है।

आपको बता दें यह फैसला उन आम नागरिकों के लिए भी भरोसे का आधार है जिन्होंने दंगों में अपने घर, दुकानें और परिजन खोए। उनके लिए न्याय केवल सजा नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि सिस्टम उनके साथ खड़ा है। कुछ लोग इसे कठोरता कहेंगे, लेकिन सच यह है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठोर फैसले जरूरी होते हैं। उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की न्यायपालिका आज भी राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और संविधान की मूल भावना को समझती है। यह फैसला आने वाले समय में न केवल कानूनी मिसाल बनेगा, बल्कि उन सभी ताकतों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी होगा जो भारत को भीतर से तोड़ने का सपना देखती हैं। यह निर्णय बताता है कि भारत कमजोर नहीं है, भारत चुप नहीं है और भारत अब दंगों की राजनीति को वर्दाश्त करने के मूड में बिल्कुल नहीं है। हालिया कानूनी घटनाक्रमों और न्यायिक टिप्पणियों के अनुसार, खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून से ऊपर समझने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्ती बढ़ी है। अदालतों ने स्पष्ट किया है कि एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी होने का लेबल किसी व्यक्ति को आपराधिक जांच या कानूनी प्रक्रिया से सुरक्षा प्रदान नहीं करता है। कानून की नजर में सभी नागरिक समान हैं। पिछले कुछ वर्षों में भीमा कोरेगांव और दिली दंगों जैसे मामलों में कई चर्चित चेहरों की गिरफ्तारियों और अदालतों द्वारा उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज किए जाने को इस दिशा में एक बड़ा झटका माना गया है। जांच एजेंसियों ने इन पर अर्बन नक्सल या देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए हैं। यूएपीए जैसे कड़े कानूनों के तहत की गई कार्रवाई और अदालतों द्वारा साक्ष्यों के आधार पर दी गई कड़ी टिप्पणियों ने यह संदेश दिया है कि वैचारिक स्वतंत्रता की आड़ में हिंसा या अस्थिरता को बढ़ावा देना स्वीकार्य नहीं होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न मामलों में कहा है कि विरोध का अधिकार मौलिक है, लेकिन यह कानून के शासन के उल्लंघन का अधिकार किसी को नहीं देता है।

जाहिर है कि कानून का शासन बनाए रखने के लिए अदालत का भी सख्त रुख होना अत्यंत महत्वपूर्ण है इसके बिना सामूहिक गुंडई अराजकता फैलाने और भीड़ तंत्र कायम करने के षडयंत्रों पर नकेल डालना संभव नहीं होगा।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए ट्रंप के दूत विटकॉफ से मिले जेलेंस्की, समर्थन के लिए यूएस को कहा धन्यवाद

पेरिस, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को पेरिस में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही दोनों पक्षों ने सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण जैसे अहम मुद्दों पर विचार किया। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इसे युद्ध समाप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है। आगे जेलेंस्की ने इस बात पर भी जोर दिया कि सात जनवरी को पेरिस में दोनों देशों की टीम फिर से सुरक्षा गारंटी और युद्ध समाप्ति के लिए बुनियादी ढांचे पर काम जारी रखेंगी। बता दें कि इस बैठक में यूक्रेन की ओर से कार्यालय प्रमुख किरिलो बुडानोव, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तेम उमेरोव, जनरल आंद्रेई ह्नातोव, कार्यालय के पहले उप प्रमुख सर्गी किसलित्स्या और राष्ट्रपति कार्यालय के सलाहकार ओलेक्सांद्र बेव्ज शामिल थे। वहीं इस बैठक के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि उनकी टीम ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल और 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के साथ बैठक की, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना को आगे बढ़ाया जा सके। अब बात अगर बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बात करें तो ट्रंप की तरफ से जैरेड कुशनर, जनरल एलेक्स ग्रिंकेविच, एम्बेसडर चार्ल्स कुशनर और व्हाइट हाउस सलाहकार जोश ग्रुएनबाम इस बैठक में शामिल थे।

मादुरो की गिरफ्तारी के समय वेनेजुएला के 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए, कुल आंकड़ा 50 के पार

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की सेना ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में वेनेजुएला के कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए। इससे मरने वालों की आधिकारिक संख्या करीब 56 हो गई है। इनमें आम नागरिक और सैन्यकर्मी दोनों शामिल हैं। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने मंगलवार को कहा कि दर्जनों अधिकारी और नागरिक मारे गए और अभियोजक इन मौतों की जांच करेंगे। साब ने अमेरिकी अभियान को युद्ध अपराध करार दिया। इससे पहले क्यूबा की सरकार ने रविवार को एलान किया कि अमेरिकी अभियान में वेनेजुएला में काम कर रहे उसके 32 सैनिक और पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा ने कहा कि ये सैनिक वेनेजुएला में काम कर रहे थे। वेनेजुएला की सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अमेरिकी हमले में मारे गए सैनिकों की तस्वीरें दिख रही हैं। शनिवार को अमेरिका ने वेनेजुएला पर एक विशेष सैन्य अभियान के तहत हमला किया। इस कार्रवाई के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को राजधानी काराकास से पकड़ लिया गया और उन्हें गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा था कि इस ऑपरेशन में अमेरिका की तरफ कोई मौत नहीं हुई, सिर्फ कुछ सैनिक घायल हुए। ट्रंप ने इसे बेहद जटिल लेकिन सफल ऑपरेशन बताया और अमेरिकी सेना की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब वेनेजुएला को अस्थायी रूप से चलाएगा, जब तक वहां सुरक्षित और व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता।

कनाडा में मोहाली के स्टूडेंट की मौत : पैदल ही जा रहा, कार ने मारी टक्कर, पुलिस खंगाल रही डैशकैम फुटेज

मोहाली, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक सड़क हादसे में पंजाब के मोहाली जिले की लालडू मंडी निवासी 22 वर्षीय छात्र अरमान चौहान की मौत हो गई। यह घटना 5 जनवरी को ओंटारियो के हाईवे-401 पर क्रामेह टाउनशिप के पास हुई। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, जिसके चलते ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस (ओपीपी) मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, अरमान अपने एक दोस्त के साथ मॉन्ट्रियल से टोरंटो की ओर जा रहा था। हालांकि, हादसे के समय अरमान के पैदल चलने की बात सामने आई है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह व्यस्त हाईवे पर पैदल किन परिस्थितियों में पहुंचा। जांच एजेंसियां इसी बिंदू को लेकर असमंजस में हैं। ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस को सूचना मिली थी कि हाईवे की पश्चिमी लेन में एक कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मारी है। मौके पर पहुंची पुलिस को मीडियन के पास एक कार खड़ी मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अरमान की जान उसी कार की टक्कर से गई या किसी अन्य वाहन की चपेट में आने से। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और डैशकैम फुटेज के जरिए पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति की ट्रम्प को धमकी: कहा- हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ

बोगोटा, एजेंसी। पेट्रो ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि अगर हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि वह कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका का इंतजार कर रहे हैं। पेट्रो के इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद दिया। गौरतलब है कि मादुरो भी अगस्त 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प को इसी तरह की चुनौती दे चुके हैं। मादुरो ने कहा था कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका आकर उन्हें गिरफ्तार करे। इसके जवाब में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर घोषित इनाम की राशि और बढ़ा दी थी।

अमेरिका ने हमला किया तो भड़क सकती है गुरिल्ला जंग: पेट्रो ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोलंबिया या उसके आसपास के इलाकों में सैन्य हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। पेट्रो के मुताबिक, अमेरिकी बमबारी की स्थिति में गांवों में रहने वाले किसान हथियार उठा सकते हैं और पहाड़ी इलाकों में जाकर गुरिल्ला लड़ाई शुरू हो सकती है, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा। पेट्रो ने यह भी कहा कि अगर ऐसे राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, जिसे देश की बड़ी आबादी पसंद करती है और सम्मान देती है, तो जनता का गुस्सा फूट सकता है। गुस्तावो पेट्रो ने यह भी कहा कि वे खुद पहले गुरिल्ला आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं और

उन्होंने 1990 के दशक में हथियार छोड़ दिए थे। उन्होंने कहा कि मैंने कसम खाई थी कि अब कभी बंदूक नहीं उठाएंगे, लेकिन अगर देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए जरूरत पड़ी तो वे फिर से हथियार उठा सकते हैं।

ट्रम्प ने कोलंबिया को बीमार देश बताया था : इससे पहले ट्रम्प ने कोलंबिया पर गंभीर आरोप लगाए थे। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि कोलंबिया एक बीमार देश है और वहां एक ऐसा शख्स शासन कर रहा है जो कोकीन बनाकर अमेरिका भेजता है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह राष्ट्रपति ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेगा। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने यह बयान भी दिया कि कोलंबिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करना उन्हें एक अच्छा विचार लगता है।

कोलंबिया बोला- किसी को धमकी देना सही नहीं : कोलंबिया सरकार ने इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में बातचीत, सहयोग और आपसी सम्मान में विश्वास रखती है। सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को धमकी देना या ताकत का इस्तेमाल करना सही नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर महीने में ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबियाई राष्ट्रपति पेट्रो और उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर ड्रग तस्करी से जुड़े संबंधों के आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए थे। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश माना जाता है। कोकीन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कोका पौधा कोलंबिया, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में उगाया जाता है।

व्हाइट हाउस ने मादुरो से जुड़ा वीडियो शेयर किया : व्हाइट हाउस ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें मादुरो के पुराने बयानों और अमेरिकी कार्रवाई के वीडियो दिखाए गए। इस वीडियो में अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की टिप्पणी भी शामिल थी, जिसमें उन्होंने कहा कि मादुरो को मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने उसे गंवा दिया और अब उन्हें इसके नतीजे भुगतने पड़ रहे हैं। इस वीडियो में मादुरो को अमेरिका को चुनौती देते हुए दिखाया गया है। इसके साथ ही उस सैन्य कार्रवाई की फुटेज भी शामिल है, जिसमें अमेरिकी सेना ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने के लिए छापा मारा। यह वीडियो कुल 61 सेकंड का है। वीडियो में राष्ट्रपति ट्रंप की वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के सीन भी दिखाए गए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से की मुलाकात

लक्जमबर्ग सिटी, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर लक्जमबर्ग के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात की। जयशंकर ने गुइलौम से मुलाकात की तस्वीर भी साझा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज लक्ज़मबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भारत के प्रति उनकी सकारात्मक भावनाओं और हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के उनके दृष्टिकोण की मैं सराहना करता हूँ। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और लक्जमबर्ग फिनटेक, स्पेस, डिजिटल दुनिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में और ज्यादा प्रोडक्टिव तरीके से सहयोग कर सकते हैं। लक्जमबर्ग के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ अपनी मीटिंग के दौरान ईएएम एस जयशंकर ने भरोसा जताया कि दोनों देशों को इन चर्चाओं से फायदा हो सकता है। ईएएम जयशंकर ने कहा, 'मैं देख सकता था कि यहां हमारा एक बहुत सक्रिय समुदाय है। लेकिन, आप जानते हैं कि हमारे पास जो बहुत सॉलिड ट्रेड अकाउंट है।

पीएम मोदी के मुकाबले ट्रंप कमजोर, पलटे जा सकते हैं फैसले; एक्सपर्ट ने क्यों कहा ऐसा

वाशिंगटन, एजेंसी। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इयान ब्रेमर ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वाइट हाउस की नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ब्रेमर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला से मिलने वाले अल्पकालिक लाभ दीर्घकालिक नहीं रह सकते, क्योंकि ट्रंप का कार्यकाल सीमित है और उनके उत्तराधिकारी उनके कई फैसलों को पलट सकते हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना में ट्रंप की स्थिति को कमजोर बताया। मोदी अपनी लोकप्रियता के बल पर 10 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में हैं, जबकि ट्रंप अलोकप्रिय हैं, 80 वर्ष के हैं और 2029 में पद छोड़ देंगे। ब्रेमर का मानना है कि अमेरिका में हर चार साल में होने वाला नेतृत्व परिवर्तन नीतियों में निरंतरता की कमी पैदा करता है, जो चीन, रूस या भारत जैसे देशों में नहीं देखी जाती।

इंडिया टुडे से बातचीत में ब्रेमर ने बताया कि ट्रंप का उत्तराधिकारी उनके कई कार्यों को उलट सकता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती के साथ किया। ब्रेमर ने कहा कि चीन, रूस और भारत के विपरीत, अमेरिका में हर चार साल में नेतृत्व बदलने से सरकारी नीतियों में निरंतरता नहीं रहती, जिसके परिणाम आने में समय लगता है।

ब्रेमर ने आगे कहा कि खैर, अगला राष्ट्रपति ट्रंप के कई फैसलों को पलट सकता है। यह शी जिनपिंग नहीं हैं।

ये मोदी भी नहीं हैं, जो भारत में 10 साल से अधिक समय से शासन कर रहे हैं और एक लोकतंत्र में काफी लोकप्रिय हैं। ये ट्रंप हैं, जो काफी अलोकप्रिय हैं, 80 साल के हैं और तीन साल में सत्ता से बाहर हो जाएंगे। ब्रेमर ने कहा कि वैश्विक तेल कीमतें, वेनेजुएला में राजनीतिक स्थिरता और ट्रंप के बाद का युग कैसा होगा, ये सभी तय करेंगे कि अमेरिका को कराकास के विशाल तेल भंडार से दीर्घकालिक लाभ मिलेगा या नहीं। तेल की बात करें तो आप जानते हैं कि वेनेजुएला इस समय प्रतिदिन केवल लगभग 8 लाख बैरल तेल का उत्पादन कर रहा है। यह पहले 30 लाख बैरल हुआ करता था। लेकिन इसे बढ़ाने के लिए राजनीतिक स्थिरता की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि आपको एक ऐसे आर्थिक वातावरण की आवश्यकता है जिसमें तेल कंपनियां भरोसा कर सकें।

आयरिश उपन्यास 'द गैडफ्लाई' से शी जिनपिंग को मुश्किल वक्त में मदद मिली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन से मुलाकात के दौरान अपनी जिंदगी से जुड़ी एक खास बात साझा की। उन्होंने बताया कि किशोर उम्र में जब वे अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब एक आयरिश उपन्यास ने उन्हें मानसिक सहारा दिया था। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में सोमवार सुबह हुई इस मुलाकात में आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शी जिनपिंग से कहा कि उन्होंने भी वही किताब अपने युवाकाल में पढ़ी थी। उस किताब का नाम है 'द गैडफ्लाई', जिसे एथेल वोयनिच ने लिखा था। मार्टिन ने बताया कि इस किताब ने उन पर भी गहरा असर डाला था। माइकल मार्टिन ने कहा कि यह एक संयोग था कि दोनों ने एक ही किताब किशोर उम्र में पढ़ी और दोनों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास इस किताब का पहला संस्करण है, जो उन्हें उनके एक रिश्तेदार ने भेंट किया था। 'द गैडफ्लाई' उपन्यास 1897 में प्रकाशित हुआ था। इसकी कहानी 1830 और

1840 के दशक के इटली की है, जब वहां क्रांतिकारी आंदोलन चल रहे थे। यह किताब आजादी, संघर्ष और साथ मिलकर लड़ने की भावना को दिखाती है। इसी वजह से यह किताब आयरलैंड के राष्ट्रवादियों और बाद में सोवियत यूनियन और चीन के कम्युनिस्टों के बीच भी काफी लोकप्रिय रही। रिपोर्ट के मुताबिक, शी जिनपिंग के पिता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता थे। सांस्कृतिक क्रांति के दौरान उनके पिता को पद से हटा दिया गया, जिसके बाद शी जिनपिंग को किशोर उम्र में गांव भेज दिया गया। वहां उन्होंने खेतों में मजदूरी की और रात में एक गुफा में सोया। बाद में शी जिनपिंग ने इस दौर को अपनी जिंदगी के लिए बहुत अहम बताया।

नेपाल में ओली-प्रचंड और देऊबा की पार्टियों में गठबंधन संभव

सीट बंटवारे और स्ट्रैटजी पर बातचीत जारी, 20 दिन बाद ऊपरी सदन का चुनाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली में तीन पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की पार्टियां गठबंधन की तैयारी कर रही हैं। ये गठबंधन संसद के ऊपरी सदन 'राष्ट्रीय सभा' के लिए चुनाव के लिए हो सकता है। इस गठबंधन में मधेस क्षेत्र की पार्टी को भी शामिल करने पर विचार हो रहा है। नेपाली अखबार द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे और साझा रणनीति पर बात हो रही है। यह चुनाव 25 जनवरी को होना है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से हर दो साल में एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। इस बार 4 मार्च को 18 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इन्हीं खाली होने वाली सीटों को भरने के लिए चुनाव कराया जाएगा।

शुरुआती बातचीत में यह बात सामने आई है कि कांग्रेस को 7 सीटें, यूएमएल को 6 सीटें, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 4 सीटें और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल को 1 सीट मिल सकती है। इस बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। वहीं यूएमएल ने भी अपने उम्मीदवार तय करने के लिए मंगलवार को पार्टी सचिवालय की बैठक बुलाई है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक सभी उम्मीदवारों को बुधवार यानी 7 जनवरी को नामांकन दाखिल करना होगा। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है।

आम चुनाव के लिए भी बातचीत जारी : कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का ने बताया कि संविधान बनाने में शामिल राजनीतिक ताकतें राष्ट्रीय सभा चुनाव के लिए एकजुट होने पर सहमत हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की ओर से खड्का ने पहले भी केपी शर्मा ओली से गठबंधन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि कांग्रेस और यूएमएल के बीच आने वाले संसदीय चुनावों के लिए भी गठबंधन की चर्चा चल रही है, लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव होने वाले हैं। इस दिन देश के नागरिक संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए मतदान करेंगे, जिसमें कुल 275 सदस्य चुने जाते हैं।

वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिकी संसद से लेकर सड़क तक मतभेद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिकी संसद में गंभीर मतभेद उभरते दिखे हैं। अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में ट्रंप द्वारा सांसदों से परामर्श किए बिना इतना बड़ा कदम उठाने को एक नए युग के विस्तारवाद की शुरुआत माना जा रहा है। इस असंतोष को लेकर विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सोमवार देर रात कांग्रेस नेताओं के सामने वेनेजुएला सैन्य अभियान की जानकारी पेश करनी पड़ी। उधर, इस कार्रवाई के विरुद्ध लोग सड़कों पर भी उतरे हैं।

अमेरिकी संसद में भी ट्रंप की कार्रवाई का विरोध : अमेरिकी कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप बिना परामर्श या कांग्रेस से अनुमति लिए अनुचित कदम उठा रहे हैं। इसी चिंता के बीच रिपब्लिकन नेता कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में बंद कमरे में हुई बैठक में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को जबरन सत्ता से हटाने के ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए दाखिल हुए, लेकिन कई डेमोक्रेट्स ने सवाल उठाया कि वेनेजुएला तट पर नौसैनिक बेड़ा तैनात है, जबकि देश के घाटे में चल रहे तेल उद्योग में पुनर्निवेश जरूरी है। उनका कहना है कि युद्ध शक्ति प्रस्ताव पर कांग्रेस की मंजूरी बिना वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई प्रतिबंधित है। अब सीनेट में इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा संभावित है।

ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति खतरनाक दृष्टिकोण : शूमर : सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने चेताया कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण की मात्र शुरुआत है, क्योंकि राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कोलंबिया, क्यूबा और ग्रीनलैंड में अपनी रुचि का संकेत दे रहे हैं। उधर, सीनेट की विदेश संबंध समिति में वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य सीनेटर जीन शाहीन ने कहा, अभी भी कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। अमेरिका को वेनेजुएला घटनाक्रम की कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी? प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में शीर्ष डेमोक्रेट, न्यूयॉर्क के सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, सांसदों को अंधेरे में रखा गया। अमेरिकी गवर्नर चुनावों में भी वेनेजुएला मुद्दा हावी है। कैंटुकी के सांसद थॉमस मैसी और ट्रंप का समर्थन प्राप्त सेवानिवृत्त नौसेना सील अधिकारी एड गैलरेन आमने-सामने हैं। मैसी ने मादुरो को पकड़ने की निंदा की। हमने इसके लिए ट्रंप को वोट नहीं दिया था। यूएन ने वेनेजुएला मुद्दे पर दुख जताते हुए अस्थिरता की आशंका जताई। यूएन की राजनीतिक व शांति निर्माण मामलों की अवर महासचिव रोजमेरी ए. डिकार्लो ने सुरक्षा परिषद की बैठक में इस स्थिति को गंभीर समय करार देते हुए कहा, अमेरिकी कार्रवाई के बाद हताहतों की संख्या अभी तक स्पष्ट नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी; चोरी के शक में पीछा, नहर में छलांग लगाने से गई जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर लक्षित हमलों की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरी के संदेह में भीड़ के पीछा करने से बचने के लिए 25 वर्षीय हिंदू युवक मिथुन सरकार ने नहर में छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार दोपहर भंडारपुर गांव के निवासी मिथुन का शव बरामद किया। यह घटना पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा में तीव्र वृद्धि के बीच हुई है। मिथुन सरकार की मौत पिछले कुछ दिनों में सामने आई क्रूर हमलों की श्रृंखला में यह नई घटना है।

हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद ने एक बयान जारी कर दिसंबर महीने में कम से कम 51 लक्षित घटनाओं का खुलासा किया है, जिनमें 10 हत्याएं शामिल हैं। परिषद ने आगजनी, बलात्कार और लूटपाट के मामलों का विस्तृत विवरण देते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की है कि ये अत्याचार 12 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होते हैं। परिषद की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश ने पहले भी राजनीतिक उथल-पुथल का सामना किया है, लेकिन वर्तमान समय में संस्थागत कमजोरी और बढ़ती सांप्रदायिक चिंता का खतरनाक संयोजन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये सब उस समय हो रहा जब देश 12 फरवरी 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना सरकार के 2024 में गिरने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों पर हमलों में तेजी आई है।

पिछले कुछ दिनों में हुई अन्य घटनाएं...

5 जनवरी को जेसोर जिले में हिंदू व्यापारी और समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक राणा कांति बैरागी की गोली मारकर हत्या

5 जनवरी को ही नरसिंगदी में किराने की दुकान मालिक मोनी चक्रवर्ती की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या

3 जनवरी को शरियतपुर जिले में खोकोन चंद्र दास पर हमला, इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

इससे पहले दिसंबर में राजबारी में अमृत मंडल की पीट-पीटकर हत्या और मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या कर शव जलाने की घटनाएं सामने आई थीं।

अमेरिका पहुंचेगा वेनेजुएला का 50 मिलियन बैरल तेल, दोनों देशों को होगा फायदा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 मिलियन से 50 मिलियन बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी। ट्रंप के अनुसार, यह कदम वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के हित में होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बताया कि यह तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा और वह व्यक्तिगत रूप से देखेंगे कि राजस्व का उपयोग कैसे किया जाता है।। उन्होंने लिखा कि इस पैसे का उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों की भलाई के लिए किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना पर तुरंत अमल करने का निर्देश दिया है। उनके अनुसार, तेल को स्टोरेज जहाजों पर लोड किया जाएगा और सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका में अनलोडिंग डॉक तक पहुंचाया जाएगा। ट्रंप ने साफ कहा कि तेल बाजार कीमत पर ही बेचा जाएगा और इससे मिलने वाले धन पर नियंत्रण अमेरिका के राष्ट्रपति के पास रहेगा। यह घोषणा अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया और काराकस में सत्ता परिवर्तन हुआ। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि अब वेनेजुएला में तेल, व्यापार और सुरक्षा जैसे मामलों में शर्तें अमेरिका तय करेगा। ट्रंप के इस बयान पर पूरी दुनिया का ध्यान गया, क्योंकि वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है। हालांकि, प्रतिबंधों, खराब प्रबंधन और निवेश की कमी के कारण वहां तेल उत्पादन काफी गिर गया है।

गौरतलब है कि भारत भी एक समय वेनेजुएला का बड़ा तेल खरीदार था, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते 2019 में भारतीय रिफाइनरियों को वहां से तेल खरीदना बंद करना पड़ा। तब से, भारत मध्य पूर्व, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका से

तेल पर अधिक निर्भर हो गया है। अगर वेनेजुएला का इतना बड़ा तेल अमेरिका भेजा जाता है, तो वैश्विक कच्चे तेल के प्रवाह का स्वरूप बदल सकता है। वेनेजुएला का भारी तेल अमेरिका के खाड़ी तट की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो पहले लैटिन अमेरिका और कनाडा से तेल आयात पर निर्भर थीं।

इस योजना के आगे बढ़ने पर चीन तक पहुंचने वाले वेनेजुएला के तेल की मात्रा भी कम हो सकती है, क्योंकि अभी चीन वहां का सबसे बड़ा खरीदार है। वैश्विक तेल आपूर्ति में किसी भी बदलाव से कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। भारत जैसे देशों में इस पर खास नजर रखी जाती है, क्योंकि देश को बड़ी मात्रा में आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना पड़ता है।

ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक और रणनीतिक फैसला बताया है। उनका कहना है कि वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का ज्यादा नियंत्रण होने से आपराधिक नेटवर्क कमजोर होंगे और क्षेत्र में स्थिरता आएगी। ट्रंप के अनुसार, इस योजना को तुरंत लागू किया जाएगा।

वेनेजुएला के तेल सेक्टर में निवेश करेगा अमेरिका : मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी। इससे वेनेजुएला को दोबारा तेल उत्पादन से कमाई शुरू करने में मदद मिलेगी। फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब तेल बेचने के कारोबार में है और अन्य देशों को भी तेल सप्लाई करेगा। उन्होंने कहा कि खराब ढांचे की वजह से वेनेजुएला खुद ज्यादा तेल नहीं निकाल पा रहा था। इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में यह कहा था कि हमें डेल्सी रोड्रिग्ज के जरिए वेनेजुएला तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रम्प ने वेनेजुएला को मरा हुआ देश बताते हुए कहा कि उसे दोबारा खड़ा करना जरूरी है।

तेरी बिंदिया रे...

नन्ही सी बिंदिया को उसके आकार के कारण उपेक्षित नहीं किया जा सकता। जरा सी बिंदिया फैशन और सौंदर्य की दुनिया में तहलका मचाने की ताब रखती है...

गोरी का बिंदियां से सजा चेहरा सजना की नींद उड़ा सकता है तो इसका गलत मैच आपको फूहड़ करार दे आपके सौंदर्यबोध की कलई भी खोल सकता है। छोटी सी बिदिंया फैशन की दुनिया में बड़ी नायिका का स्थान रखती है। हिन्दुस्तानी कहने को बिंदी हिंदुस्तानी नारी के सौभाग्य का प्रतीक है, पर आज विश्व बाजार ने इस नन्ही सी बिंदिया ने जो पैठ बनाई है, वह भारतीय संस्कृति का गौरव है। हमारे यहां महिला चेहरे को सजाने-संवारने के लिए और कुछ करे या न करे, बिंदी जरूर लगाती है, क्योंकि बिंदी हमारी तहजीब की प्रतीक तथा नारी शुंगार की पूर्णता की निशानी है।

सफर बिंदिया का

ज्यादातर रोली- कुमकुम के रूप में अपने सफर की शुरूआत करने वाली बिंदी आज अपना चोला अद्भुत रूप से बदल कर फैशन के सफर में नए आयाम रच रही है। वेल्वेट तथा सेल्यूलाइड की बनी बिंदियों की बाजार में भरमार है। विभिन्न रंग, लुभावने डिजायन व चित्रकारी किसी का भी मन मोह सकती हैं। नये टेंड्र में नग जड़ित बिंदिया माथे की शोभा बढ़ा रही हैं जैसे नन्हा सा चांद मुखमंडल की शोभा बढ़ा रहा हो। इन फैंसी बिंदियों को कीमती बना दिया है ज्वैलर्स ने। गोल्ड, डायमंड से बनी बिंदियों के दाम हैं कि ये सिर्फ आभिजात्य वर्ग की पहुंच में हैं। जैवेलरी शॉप पर्ल स्टडेड, डायमंट एनक्रस्टेड, क्रिस्टल और स्टोन जड़ी बिंदियां खूब पसंद की जा रही हैं। स्टोन व कुंदन जड़ी, मीनाकारी और गोल्ड प्लेटेड बिंदियो की भी काफी मांग हैं।

चुनाव बिंदिया का

चाहे बिंदी गोल, लंबी हो, वेल्वेट की हो डायमंड की हो या किसी भी डिजायन की , पर उसे खरीदते वक्त फेस शेप, कॉम्प्लेक्शन आदि का ध्यान रखना होगा। यह आपके चुनाव का ही कमाल होगा कि सामान्य फेस भी खास खूबसूरत लुक से खिल उठेगा।

बिंदी का चुनाव करते वक्त परिधान और परिवेश को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

सुबह शाम हल्के रंग की बिंदी का अच्छी लगती है तो दोपहर में गहरे रंग की बिंदी आकर्षक लगती है। बिंदी का रंग हमेशा अपने कॉम्प्लेक्शन को ध्यान में रखकर चुनें। गेहुंए या गोरे रंग पर लगभग सभी रंग फबते हैं। ब्राइट शेड की बजाय लाइट शेड सहज लगता है। सुर्ख लाल रंग की बिंदी सभी पर फबती है। परिधान से मेल खाती बिंदी हमेशा अच्छी लगती है। अगर आपने क्रास मैचिंग की साड़ी व ब्लाउज पहनी हैं तो साड़ी के रंग की ही बिंदी लगाएं। यदि आपने क्रास-मैचिंग का सलवार कुरता पहन रखा है तो कुरते के रंग की बिंदी लगाएं।

शार्प फीचर्स वाला चेहरा स्कवेयर फेस माना जाता है, फेस पर राउंड या ओवल शेप की बिंदी लगाएं। पतली और लंबी बिंदी इस चेहरे पर न लगाएं, क्योंकि यह आपके फीचर्स को ओर ज्यादा शार्प कर देगी।

अगर आपका फेस राउंड है, तो लंबी व बड़ी बिंदी लगाएं। यह आपके चेहरे पर सूट करेगी। राउंड फेस पर हमेशा पतली बिंदी लगाएं। अगर आपका फोरहेड पतला है, तो बिंदी आइब्रो के एकदम बीच में लगाएं। डिजाइनर लुक के लिए कुंदन या मीनाकारी बिंदी कम वर्क और वर्टिकल डिजाइन वाली लगाएं।

ओवल फेस सामान्य शेप फेस है, ओवल फेस पर आप किसी भी शेप या साइज की बिंदी लगा सकते हैं। अगर आपका फोरहेड ब्रॉड है, तो लंबी बिंदी न लगाएं। फेस पर ट्राईएंगल शेप की बिंदीअच्छी लगती है।

हार्ट शेप वाले फेस माथे से चौड़े व ठोड़ी से पतले होते हैं, जबकि डायमंड शेप के फेस हार्ट और ओवल का मिक्सचर होते हैं। डायमंड शेप के चेहरे पर लंबी और पतली बिंदी अच्छी लगती है। यह माथे को ब्रॉड लुक देती है। हार्ट शेप फेस वाली महिलाएं राउंड, ओवल और मीडियम लेंथ की बिंदियां लगा सकती हैं, क्योंकि यह आपके चौड़े माथे को कम दिखाती है।

स्टिकर बिंदी हमेशा लगा कर न रखें। इससे त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है। नीचे गिरी या कई बार प्रयोग में लायी गई तथा किसी दूसरे द्वारा प्रयोग में लाई गई बिंदी का इस्तेमाल भी न करें। इससे संक्रमण होने का भय बना रहता है। अच्छी कंपनी की तथा हर बार नई बिंदी का ही इस्तेमाल करें। बिंदी जिस जगह पर लगायी जाती है उस पर मलाई, कोल्ड क्रीम या स्किन आयल जरूर लगाएं। अगर बिंदी लगाने के बाद बिंदी लगाने वाली जगह पर असहजता महसूस हो तो कुछ दिनों के लिए जब तक त्वचा सामान्य न हो जाए, बिंदी लगाना बंद कर दीजिए।

मटर हरी धनिया सूप

सामग्री: 1 कप मटर, 1 कप हरी धनिया, 3 कप पानी, 2 टीस्पून कॉर्नफ्लोर, 1 नींबू का रस, आधा टीस्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, आधा टीस्पून लहसुन का पेस्ट, नमक व कालीमिर्च पाउडर स्वादानुसार और सजावट के लिए कुछ नींबू के स्लाइस।

विधि: नींबू की स्लाइस के अलावा सभी सामग्री को मिला लें। 10 मिनट तक उबालें। हैंडब्लेंडर से ग्राइंड करें। नींबू स्लाइस से सजाकर गरमा गरम परोसें।

किचन टिप्स

- भिंडी बनाते समय उसमें थोड़ा सा नीबू का रस या दही डाल दें। इससे भिंडी कड़ाही में नहीं चिपकेगी।
- तुअर की दाल बनाते समय उसमें एक चुटकी हल्दी और एक चम्मच कुकिंग ऑयल डाल दें इससे दाल गाढ़ी और स्वादिष्ट बनगी।
- पॉटेटो वेफर्स को कुरकुरी और सफेद बनाने के लिए आलू की स्लाइस को पानी में डूबो दें और उसमें थोड़ा नमक डाल दें। थोड़ी देर बाद पानी निथार कर फ्राई करें।
- इडली नरम और हल्की बने इसके लिए चार कप चावल में एक कप भीगे हुए पोहे मिला दें।
- चटनी में थोड़ा दही मिला देने से चटनी स्वादिष्ट बनती है।
- खाना बनाने के बाद भी लहसून और प्याज की गंघ आती है। इसके लिए एक चम्मच नमक में थोड़ा पानी डालकर हाथों पर रगड़ें और घो लें।
- लहसुन का छिलका आसानी से उतारने के लिए उसे थोड़ी देर ओवन में रख दें।
- क्रिस्टल गिलास को बेदाग घोने के लिए तीन चौथाई पानी में चौथाई मात्रा विनेगर की डालकर उससे गिलास घोएं।
- यदि चीनी के डिब्बे में चीटियां हो गई हैं, तो उसमें तीन-चार लौंग रख दें।
- यदि आपकी करी में तेल ज्यादा हो गया है, तो उसमे तीन चार स्लाइस ब्रेड की डाल दें और अच्छी तरह मिलाएं। ब्रेड सारा तेल सोख लेगी।
- प्याज भूनते समय उसमें नमक मिला दें। इससे प्याज जल्दी ब्राउन होते हैं।
- यदि ग्रेवी पतली हो गई है, तो 40 मी.ली पानी में आधा चम्मच मक्के का आटा मिलाकर ग्रेवी में डाल दें।
- डीप फ्राई पनीर में ज्यादा मात्रा में तेल भर जाता है। गुनगुने पानी में पनीर डाल देने से उनका तेल निकल आता है और पनीर सॉफ्ट भी हो जाती है।
- हरा धनिया मुरझाने पर गिलास में थोड़े गर्म पानी में धनिए की डंडियां करीब एक घंटे के लिए डुबो देने से ताजा हो जाता है।
- नींबुओं को अधिक समय तक ताजा और रसदार रखने के लिए इन्हें राख में दबाकर रखें।
- प्याज काटते समय उसका असर आंखों में कम हो, इसके लिए प्याज छील कर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।
- यदि टमाटर छीलने हों तो कुछ देर के लिए गर्म पानी में डालकर छीलें। छिलका आराम से उतर जाएगा।
- रसदार सब्जी बनाते समय यदि धीमी आंच पर बर्तन को ढंक कर पकाएं तो यह ज्यादा स्वादिष्ट और पौष्टिक बनेगी और मसालों की सुगंध भी नहीं बिगड़ेगी।

हमेशा रहें जवां

हमेशा जवां दिखने की चाहत है तो ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं। त्वचा विशेषज्ञों की मानें तो कुछ सावधानियां ही बहुत कुछ कर जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार 20 से 30 साल की उम्र में कुछ सावधानियां बरतें तो आगे जाकर फेस लिफ्ट, सर्जरी कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। शुरू से ही त्वचा का ध्यान रखें तो हमारी त्वचा बढ़ती उम्र में भी जवां रह सकती है।

सेंट लूईस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के त्वचा विशेषज्ञ डॉ. ग्रेग ब्रानहम के अनुसार सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों से त्वचा का बचाव करें। धूम्रपान न करें। कॉफी का सेवन कम करें। प्रतिदिन पर्याप्त नींद लें। संतुलित भोजन लें। इससे त्वचा को पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है। भोजन स्वास्थ्य को तो प्रभावित करता ही है, साथ ही त्वचा का स्वास्थ्य भी उससे प्रभावित होता है।

सर्दियों के लिए खास फेसियल लिंट मास्क

बाजार में इन दिनों एक फेशियल आया है, जो अन्य फेशियल्स से काफी अलग है। यह बेहतर रिजल्ट देता है। 'लिंट मास्क' नाम का यह फेशियल खास इसलिए माना जा रहा है। क्योंकि, इसे खादी के कपड़े के जरिये चेहरे पर एप्लाई किया जाता है। सर्दियों के मौसम में ड्राई स्किन के लिए ये काफी फायदेमंद साबित होता है। मुख्य रूप से 25 साल से ज्यादा उम्र वाली महिलाओं के लिए सबसे मुफीद माना जाने वाला यह फेशियल मॉडर्न और क्लासिक ब्यूटी ट्रीटमेंट का अच्छा फ्यूजन कहा जा सकता है।

कॉस्मेटिक्स और ब्यूटी ट्रीटमेंट्स की फील्ड में रोजाना नए प्रयोग होते रहते हैं। आजकल सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला 'स्पा ट्रीटमेंट' भी इन्हीं प्रयोगों का नतीजा है। लिंट मास्क फेशियल भी इसी सिलसिले की एक कड़ी है। क्लासिक ब्यूटी ट्रीटमेंट को मॉडर्न स्टाइल से एप्लाई करने वाले लिंट मास्क फेशियल में ऑलिव ऑयल, चंदन ऑयल, लेवेंडर ऑयल और एलमंड ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है। इन ऑयल्स को खादी के कपड़े के जरिये चेहरे पर विशेष तकनीक के साथ लगाया जाता है।

खासतौर पर सर्दियों के मौसम में चेहरे की स्किन का ख्याल रखने के लिए लिंट मास्क फेशियल को तैयार किया गया है। इसमें कहीं भी पानी का इस्तेमाल नहीं होता। इसे एप्लाई करने का तरीका भी काफी अलग होता है।

इसके लिए प्योर एलमंड या ऑलिव ऑयल को एक मिट्टी के बर्तन में हलका गुनगुना किया जाता है। इसके बाद खादी के कपड़े को इसमें डुबोकर चेहरे पर लगाया जाता है। कुनकुने ऑयल से भीगे कपड़े को स्किन पर तब तक रहने दिया जाता है, जब तक कपड़ा पूरी तरह ठंडा न हो जाए। इसके बाद पूरे चेहरे पर हलके हाथों से मसाज की जाती है।

फेशियल के फायदे

- त्वचा पर रूखेपन की समस्या से राहत मिलती है।
- पीएच फैक्टर बैलेंस होता है।
- चेहरे का ग्लो बढ़ता है।
- स्किन क्रेक्स में कमी और ईचिंग की प्रॉब्लम से छुटकारा मिलता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 1952

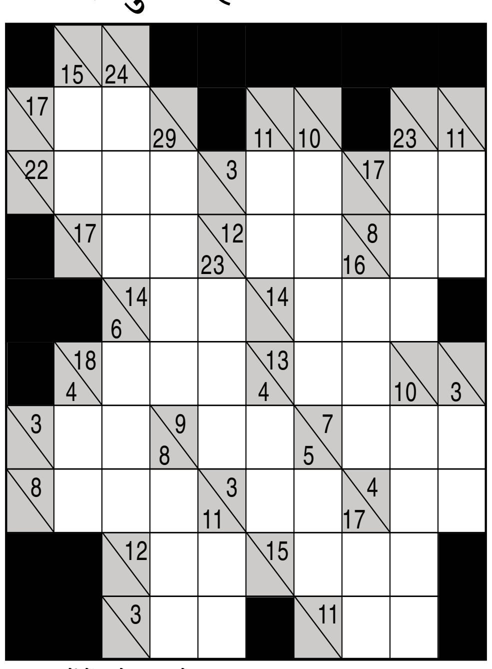

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

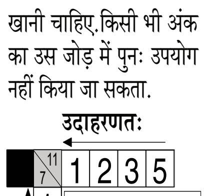

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1951 का हल

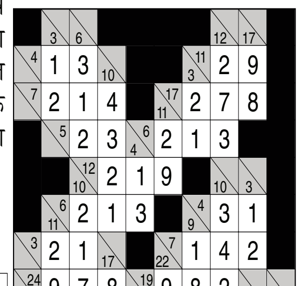

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1952

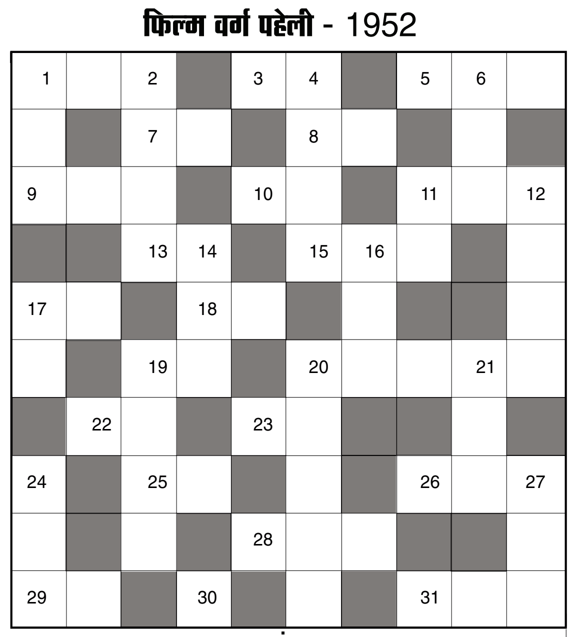

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं ऑचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरूद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 1951

सूडोकु -1952

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1951 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

शब्द पहेली - 1952

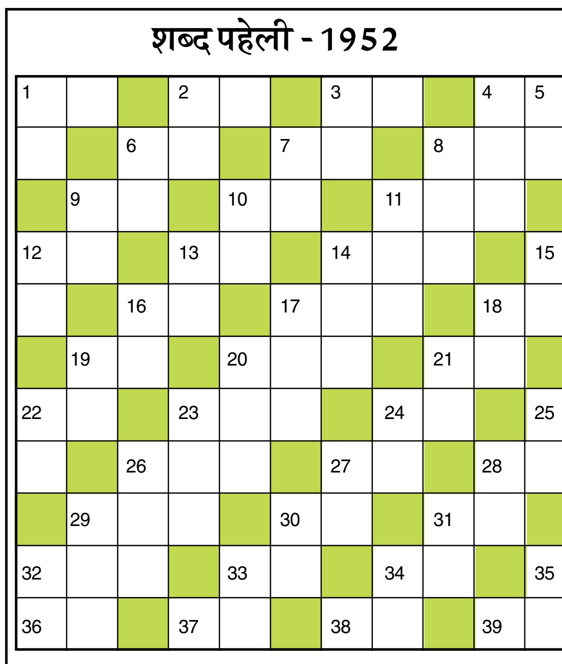

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली - 1951 का हल

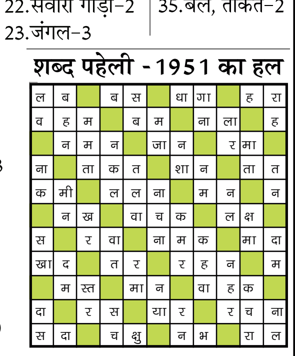

सीएक्यूम ने किया औचक निरीक्षण, एनडीएमसी क्षेत्र में 18 स्थानों पर मिली कचरा जलाने की घटनाएं

एजेंसरी

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 'ऑपरेशन क्लीन एयर' के तहत नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया। पिछले दो दिनों में सीएक्यूएम को एनडीएमसी के 18 स्थानों पर कचरा जलाने की घटनाएं मिली। इसके साथ 35 जगहों पर कचरा खुले में पड़ा मिला। इस संबंध में सीएक्यूएम ने एनडीएमसी को नोटिस जारी कर इस संबंध में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए। सीएक्यूएम ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि उनकी 11 टीमों ने चाणक्यपुरी, सरोजिनी नगर, कनॉट प्लेस, जनपथ, संसद मार्ग, इंडिया गेट, खान मार्केट, लोधी एस्टेट सहित कई इलाकों का दौरा किया। जांच में पाया गया कि 18 जगहों पर कचरा या बायोमास जलाया जा रहा था। इसके साथ 35 जगहों पर कचरा खुले में डाला गया था।कचरा जलाने की घटनाएं ज्यादातर चाय की दुकानों, छोटी दुकानों और झुग्गी इलाकों के पास देखी गई, जहां लोग ठंड से बचने के लिए आग जलाते हैं। वहीं, कई जगह सड़क किनारे और सुनसान इलाकों में कचरा फेंका गया था, जो आगे चलकर जलाए जाने का कारण बन सकता है। आयोग ने कहा कि शाम और रात के समय निगरानी और सख्त करने की जरूरत है, क्योंकि थोड़ी-सी लापरवाही भी हवा को ज्यादा प्रदूषित कर सकती है।

देशभर में 50 हजार से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों को एनक्यूएएस का प्रमाणन

नई दिल्ली। देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। देशभर में 50,000 से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) का प्रमाणन मिल चुका है। 31 दिसंबर 2025 तक कुल 50,373 सरकारी स्वास्थ्य केंद्र और अस्पताल इस मानक पर खरे उतर चुके हैं। यह मानक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा बनाया गया है, ताकि मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और भरोसेमंद इलाज मिल सके। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक यह उपलब्धि खासतौर पर गरीब, कमजोर और दूरदराज के लोगों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम है। एनक्यूएएस की शुरुआत साल 2015 में सिर्फ 10 अस्पतालों से हुई थी। पहले इसका ध्यान जिला अस्पतालों पर था लेकिन बाद में इसे उप-जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसे प्राथमिक और उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक बढ़ा दिया गया। मौजूदा समय में 48,663 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 1,710 बड़े सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र एनक्यूएएस प्रमाणित हो चुके हैं।

यूपी ग्रामीण बैंक के बस्ती के शाखा प्रबंधक और चपरासी रिश्वत लेते गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में मखौदा धाम स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा के प्रबंधक और बैंक के चपरासी को 10 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सीबीआई के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के नाम शाखा प्रबंधक नवीन सिंह कुलदीप और चपरासी अनिल कुमार हैं। एजेंसी ने यह मामला 5 जनवरी को दर्ज एक शिकायत के आधार पर किया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत 5 लाख रुपये का ऋण आवेदन किया था। ऋण स्वीकृत हुआ और उसे 2 लाख 72 हजार रुपये की पहली किश्त मिल गई, लेकिन शाखा प्रबंधक ने शेष राशि जारी करने के लिए निजी व्यक्ति के माध्यम से 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। बातचीत के बाद यह राशि 10 हजार रुपये तय हुई। सीबीआई ने 6 जनवरी को जाल बिछाया और दोनों आरोपियों को शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपये लेते समय रंगे हाथों पकड़ लिया। एजेंसी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों को सक्षम न्यायालय में पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिले सुमन चक्रवर्ती, सौंपी आईआईटी खड़गपुर की प्रगति रिपोर्ट

नई दिल्ली/खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के निदेशक प्रो. सुमन चक्रवर्ती ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट की। इस मुलाकात के दौरान संस्थान की पिछले छह महीनों की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी खड़गपुर द्वारा छात्र कल्याण और समुदाय-केंद्रित प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से संस्थान के उन प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया, जिनका उद्देश्य युवाओं को 'रोजगार चाहने वाले' के बजाय 'रोजगार सृजक' (एंटरप्रेन्योर) बनाना है। मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि आईआईटी खड़गपुर को देश के पूर्वी क्षेत्र में एक नेतृत्वकारी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि संस्थान को 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' के माध्यम से सामूहिक उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसी पहल पूर्वी भारत के विकास परिदृश्य को बदल सकती है और 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में इस क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना सकती है।

मानवता के कल्याण और वैश्विक शांति का मार्ग है अहिंसा : ओम बिरला

एजेंसी

मुंबई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुंबई में कहा कि आचार्य रत्नसुंदरसूरीश्वरजी महाराज की 500वीं पुस्तक मानव जीवन को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि आज जब विश्व शांति की सर्वाधिक आवश्यकता है, ऐसे समय में जैन दर्शन के अहिंसा, शांति और मानवीय मूल्यों पर आधारित विचार अत्यंत प्रासंगिक हो जाते हैं। अहिंसा केवल एक धार्मिक सिद्धांत नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण और वैश्विक शांति का मार्ग है लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुंबई में आयोजित ऊर्जा महोत्सव में परम पूज्य आचार्य श्री रत्नसुंदरसूरीश्वरजी महाराज की 500वीं पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज के समय में, जब व्यक्ति अपने दैनिक दायित्वों और जिम्मेदारियों में व्यस्त

रहता है, ऐसे में 500 ग्रंथों का लेखन पूर्ण करना आचार्य श्री रत्नसुंदरसूरीश्वरजी महाराज की अद्भुत साधना, अनुशासन और साहित्य के प्रति अपूर्व समर्पण का सशक्त प्रमाण है। यह साहित्य समाज को आत्मचिंतन, संयम, सद्भाव और नैतिक जीवन मूल्यों की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि मात्र 19 वर्ष की अल्पायु में सांसारिक जीवन का त्याग कर आध्यात्मिक मार्ग अपनाना और आज तक निरंतर तप, त्याग और साधना के माध्यम से मानव जीवन को दिशा देना आचार्य श्री के विराट व्यक्तित्व को दर्शाता है। उनकी लेखनी का प्रत्येक शब्द तपस्या, अनुभूति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण है, जो व्यक्ति को जीवन के उद्देश्य से लेकर मोक्ष के पथ तक मार्गदर्शन प्रदान करता है। बिरला ने कहा कि भगवान महावीर के अहिंसा और विश्व शांति के विचार आज भी उतने ही यथार्थ और आवश्यक हैं, जितने उनके समय में थे। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में सभी देशों और समाज को भगवान महावीर के मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन से प्रेरणा लेकर, चाहे व्यक्ति किसी भी धर्म का हो, यदि वह अपने जीवन और आचरण में नैतिकता, संयम और करुणा को अपनाए, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

राम मंदिर की सुरक्षा को तैयार हुआ आधुनिक कंट्रोल रूम

एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ठीक बाहर पुलिस विभाग की 12 हजार वर्ग फीट भूमि पर एक आधुनिक प्रशासनिक भवन और कंट्रोल रूम का निर्माण पूरा हो चुका है। यह भवन 1128.75 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट को गृह विभाग द्वारा संचालित किया गया है। निर्माण कार्य दिसंबर 2023 में निर्माण संस्था सीएंडडीएस के माध्यम से शुरू हुआ था। जी प्लस वन मंजिला इस भवन में बेसमेंट में मुख्य कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा, जहां से सीसीटीवी फुटेज, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं का रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

यह सुविधाये हैं

भवन में वेद मंदिर के निकट बने भवन में आंतरिक स्थल विकास कार्य के अंतर्गत कई आधुनिक सुविधाएं शामिल की गई हैं। इनमें सीसी रोड (सीमेंट कंक्रीट रोड), रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वाह्य जलमल निकासी व्यवस्था, वातानुकूलित (एयर-कंडीशन्ड) तंत्र, सबमर्सिबल पम्प के साथ बोरिंग, हाई-स्पीड लिफ्ट, पूर्ण विद्युतीकरण, मजबूत बाउंड्रीवाल, एमएस गेट और 160 केवीए का डीजल जनरेटर सेट प्रमुख है। ये सभी सुविधाएं भवन को पर्यावरण-अनुकूल, ऊर्जा-कुशल और आपात स्थिति में आत्मनिर्भर बनाती हैं।

20.15 लाख किसानों से की गई 'खेत की बात

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किसान पाठशाला लगाकर किसानों को आधुनिक खेती, सरकार की योजनाओं व खेती में नवाचार के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है। कृषि विभाग के तत्वावधान में इस वर्ष भी किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। 'खेती की बात खेत पर' थीम के साथ किसान पाठशाला 8.0 रबीः (2025-26) हुई। इसमें 20.15 लाख किसानों को प्रशिक्षित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिसंबर को पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा के गांव दौलतपुर, बाराबंकी से किसान पाठशाला का शुभारंभ किया था।

12.62 लाख पुरुष व 7.53 लाख महिला किसानों को नवाचार का दिया गया प्रशिक्षण

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि रबी सीजन में कृषि विज्ञान केंद्र, पैक्स सोसाइटी, ग्राम पंचायत सचिवालय, प्रगतिशील किसानों के साथ ही प्रदेश के 21 हजार ग्राम पंचायतों में किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश के कुल 20.15 लाख किसानों ने हिस्सा लिया। इसमें 12.62 लाख पुरुष व 7.53 लाख महिला किसानों को कृषि व सहवर्ती

विभागों की योजनाओं के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों व कृषि विज्ञान केंद्रों में किए जा रहे नवाचारों से प्रशिक्षित किया गया।

2017-18 से अब तक दो करोड़ से अधिक किसान किए जा चुके प्रशिक्षित

कृषि विभाग के मुताबिक किसान पाठशाला के अंतर्गत 2017-18 से अब तक दो करोड़ से अधिक किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। किसान पाठशाला का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती के लिए शिक्षित करना और उनकी आय दोगुनी करना है। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य किसानों को आधुनिक खेती की तकनीक, प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, सरकारी योजनाओं और आय बढ़ाने के तरीकों की व्यावहारिक ट्रेनिंग देना है, जिससे वे कम लागत में बेहतर पैदावार कर सकें और आत्मनिर्भर बनें। इसमें फसल सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य, बागवानी, नई तकनीक समेत विभिन्न पहलुओं पर जानकारी भी दी जाती है।

अंतरराज्यीय अवैध रेत खनन की होगी सख्त निगरानी, यूपी सरकार ने उठाया बड़ा कदम

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने अंतरराज्यीय अवैध रेत खनन और बिक्री को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए यूपी भूतत्व और खनिकर्म विभाग ने प्रदेश के सीमावर्ती राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार से सक्रिय सहयोग की मांग की है। इन राज्यों के खनन विभाग और प्रशासन से मिलकर संयुक्त प्रवर्तन और निगरानी तंत्र तैयार किया जा रहा है। इसके लिए पड़ोसी राज्यों से वैध ट्रांजिट पास के साथ अंतरराज्यीय परिवहन प्रपत्र (आईएसटीपी) की अनिवार्यता पर जोर दिया जा रहा है। साथ ही इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रभावी निगरानी तंत्र बनाया जा रहा है। भूतत्व और खनिकर्म विभाग का ये कदम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक गंगा बेसिन में रेत के अवैध खनन और बिक्री पर रोक के साथ पर्यावरणीय संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यूपी भूतत्व और खनिकर्म विभाग ने मुख्य सचिव की बैठक में प्रदेश में अंतरराज्यीय अवैध रेत खनन, परिवहन और बिक्री को रोकने के लिए सीमावर्ती पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर संयुक्त निगरानी और प्रवर्तन तंत्र के बारें में विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में विभाग की ओर से मध्य प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के संबंधित विभागों के साथ पत्राचार किया गया है। सबसे ज्यादा जोर अन्य राज्यों से उत्तर प्रदेश में आने वाले लोडिंग वाहनों के लिए वैध ट्रांजिट पास के साथ अंतरराज्यीय परिवहन प्रपत्र (आईएसटीपी) की अनिवार्यता पर है। सीमावर्ती जिलों में ट्रांजिट पास जारी करते समय ही देय अंतरराज्यीय परिवहन शुल्क जमा कराने की बात भी कही गई। इसके लिए इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रभावी निगरानी रखने की तैयारी की जा रही है जो न केवल अवैध परिवहन को रोकेगा साथ ही पारदर्शिता और राजस्व संग्रह में भी बढ़ोतरी करेगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी राज्यों से सीमावर्ती जिलों में सभी लोडिंग पॉइंट्स जैसे खनन पट्टे, खनिज भंडारण स्थल और क्रशरों पर वाहन लोडिंग नियमों का कड़ाई से पालन करने और ओवरलोडिंग संबंधी जानकारी साझा की जाएगी। इसके साथ ही सीमावर्ती राज्यों में स्थापित चेकगेट्स और चेकपोस्ट्स की सूची उपलब्ध कराने और यूपी की ओर निकलने वाले वाहनों का विवरण नियमित रूप से साझा करने की बात कही। ये कार्य रियल टाइम डेटा के आधार पर सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी और खनन निदेशालय मिल कर करेंगे जिससे संयुक्त निगरानी और छापेमारी की कार्रवाई आसानी से की जा सकेगी। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि इस संबंध में सीमावर्ती जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस, परिवहन और खनन विभाग के अधिकारियों के साथ मासिक समन्वय बैठकें करने की भी बात कही गई है। जिसके माध्यम से पड़ोसी राज्यों के अधिकारी और टास्क फोर्स सदस्य साथ मिलकर संयुक्त प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करेगें।

वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल में 'उमंग वाटिका' की शुरुआत

एजेंसरी

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल में 'उमंग वाटिका- सेंसरी गार्डन' की शुरुआत की गई। यह उत्तर भारत में किसी सरकारी संस्थान में अपनी तरह का पहला सेंसरी गार्डन है। इस पहल का उद्देश्य न्यूरो-डेवलपमेंटल आवश्यकताओं वाले बच्चों में संवेदी उत्तेजना, भावनात्मक कल्याण एवं समग्र विकास को बढ़ावा देना है। वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल के निदेशक डॉ. (प्रो.) संदीप बंसल ने कहा कि उमंग वाटिका- सेंसरी गार्डन का उद्घाटन वीएमएमसी एवं सफदरजंग अस्पताल के लिए गर्व और अत्यंत सार्थक क्षण है। उत्तर भारत में किसी सरकारी संस्थान में अपनी तरह का पहला सेंसरी गार्डन होना समावेशी एवं बाल-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अस्पतालों का दायित्व केवल शारीरिक उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि विशेष रूप से न्यूरो-डेवलपमेंटल चुनौतियों

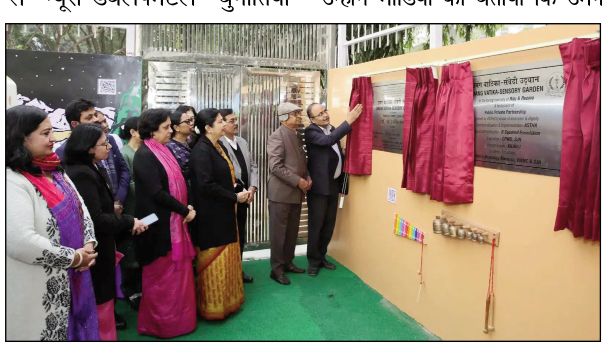

वाले बच्चों के भावनात्मक एवं मनोवैज्ञानिक कल्याण को भी देखना है। उन्होंने कहा कि उमंग वाटिका को एक उपचारात्मक एवं प्रेरक वातावरण के रूप में सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया है, जो संवेदी एकीकरण, भावनात्मक संतुलन तथा समग्र विकास में सहायक है। ऐसे स्थान चिकित्सा उपचार और पुनर्वास को प्रभावी रूप से पूरक बनाते हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि उमंग वाटिका परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह सेंसरी गार्डन अस्पताल में आने वाले बच्चों के लिए थेरेपी, पुनर्वास और भावनात्मक संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, साथ ही समावेशी और मानवीय स्वास्थ्य सेवा के प्रति वीएमएमसी एवं एसजेएच की सतत प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बाम्बा, वीएमएमसी की प्राचार्य डॉ. गीतिका खन्ना, बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप देबता, एएमएस डॉ. रेखा तिर्की, डॉ. तिलक राज, डॉ. आर. पी. सैनी, अशोक पाल (डीडीए) कैलाश पाल (ओएनएस); सीएसआर टीम तथा डॉ. रचना सहगल, प्रभारी, पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी डिवीजन सहित संकाय सदस्य एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उमंग वाटिका प्रभावी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) का सशक्त उदाहरण है जिसकी परिकल्पना एवं क्रियान्वयन आस्था संस्था ने की। वित्तीय साझेदारी आर स्क्वेयर्ड फाउंडेशन की रही, कार्यान्वयन सीपीडब्ल्यू एवं एसजेएच द्वारा किया गया तथा डिज़ाइन संबंधी सुझाव किलीकिली द्वारा प्रदान किए गए।

आम आदमी पार्टी ने किया सिख धर्म की आस्था का अनादर : चुग

एजेंसरी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा सिख धर्म के सिद्धांतों और पवित्र परम्पराओं को लेकर दिए गए बयान तथा सामने आए वीडियो को सिख समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सिखों के पवित्र गोलक को लेकर भगवंत मान की टिप्पणी न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि यह सिख मर्यादाओं के प्रति आम आदमी पार्टी की असंवेदनशील और अपमानजनक सोच को उजागर करती है। मीडिया से बातचीत में तरुण चुग ने कहा कि पंजाब में चल रहे इन घटनाक्रमों के बीच दिल्ली विधानसभा में सिख गुरुओं के संदर्भ में जो हुआ, उसने आम आदमी पार्टी की मानसिकता को और स्पष्ट कर दिया है। तरुण चुग ने कहा कि दिल्ली विधानसभा में अतीशी का व्यवहार सिख गुरुओं के प्रति घोर अपमानजनक है और इसने हर नैतिक और संवैधानिक मर्यादा को लांघ दिया है। उन्होंने कहा कि 'पवित्र पावन समय' में विधानसभा जैसे संवैधानिक मंच पर इस प्रकार का आचरण सिख समाज की धार्मिक भावनाओं को आपराधिक तरीके से ठेस पहुंचाने वाला है, जिसे किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता।चुग ने कहा कि इन सभी घटनाओं की गंभीरता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि यह समय सिखों के दशम पातशाह श्रीगुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं जयंती का है। यह वह पावन अवसर है, जब सिख समाज धर्म, मानवता और राष्ट्र की रक्षा के लिए गुरुओं द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदानों को स्मरण करता है। ऐसे पवित्र समय में गुरुओं और सिख परंपराओं का अपमान करना एक गंभीर और अक्षम्य अपराध है।

कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ किसी भी तरह का गठबंधन बर्दाश्त नहीं : फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अंबरनाथ और अकोला में कांग्रेस और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के साथ गठबंधन को संगठन विरोधी बताते हुए कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि इस तरह का बेमेल गठबंधन तत्काल रद्द होना चाहिए, वर्ना संबंधित नोताओं पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की स्थानीय इकाइयों के नेताओं ने बुधवार सुबह अंबरनाथ नगर परिषद में अपना नगराध्यक्ष बनाने के लिए सहयोगी शिवसेना (शिंदे गुट) को किनारे कर दिया। इसके बजाय उन्होंने 'अंबरनाथ विकास अघाड़ी' के नाम से कांग्रेस और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से हाथ मिला लिया। इसी तरह अकोला जिले के अकोट नगर परिषद में नगराध्यक्ष बनाने के लिए एआईएमआईएम के पांच सदस्यों के साथ गठबंधन कर लिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुम्बई में मीडिया से बात करते हुए कहा कि पार्टी किसी भी कीमत पर कांग्रेस और एआईएमआईएम के साथ

गठबंधन बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा का चुनावी गठबंधन शिंदे समूह की शिवसेना, अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के साथ है। इन सहयोगी पार्टियों के अलावा और कहीं गठबंधन होगा तो वह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने भी कार्रवाई करते हुए अंबरनाथ कांग्रेस कमेटी को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है और सभी 12 पार्षदों को पार्टी से निलंबित कर दिया है। इसी तरह एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज जलील ने भी भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले नेताओं पर कार्रवाई की घोषणा की है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के वांछित अपराधी अमन का सीबीआई ने कराया प्रत्यर्पण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सहयोग से वांछित अपराधी अमन कुमार उर्फ अमन भैंसवाल को अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण कराया। प्रत्यर्पण के बाद उसे दिल्ली हवाई अड्डे पर हरियाणा पुलिस की टीम ने हिरासत में ले लिया। सीबीआई के अनुसार, अमन हत्या, दंगा और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर मामलों में वांछित था। वह कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई की गैंग का सक्रिय सदस्य है। अमन को पहले भारत में गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन उसने मुकदमे का सामना नहीं किया और फरार हो गया। हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई ने इंटरपोल के जरिए उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया।

नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को एसआईआर नोटिस पर सियासी घमासान तेज

एजेंसरी

कोलकाता। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत नोटिस दिए जाने के बाद बंगाल की राजनीति में तीखी हलचल मच गई है। यह नोटिस बुधवार सुबह शांतिनिकेतन स्थित उनके आवास 'प्रतीची' पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा दिया गया। अमर्त्य सेन इस समय देश से बाहर हैं, इसलिए नोटिस उनके परिजन शांतभानु सेन ने वकील से सलाह लेने के बाद स्वीकार किया।

अमर्त्य सेन के परिजनों और करीबी लोगों का कहना है कि यह नोटिस उन्हें परेशान करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। आरोप है कि विश्व प्रसिद्ध विद्वान के साथ इस तरह का व्यवहार बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। दूसरी ओर, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने इसे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के दावों की पुष्टि बताया और कहा कि चुनाव आयोग अब इस मुद्दे को छिपा नहीं सकता।

बताया गया है कि क्षेत्र के बीएलओ सोमब्रत मुखोपाध्याय दो अन्य कर्मचारियों के साथ अमर्त्य सेन के आवास पर पहुंचे थे। नोटिस

में कहा गया है कि एसआईआर फॉर्म में कुछ तथ्यात्मक विसंगतियां पाई गई हैं। दस्तावेजों के अनुसार अमर्त्य सेन और उनके माता या पिता की उम्र में अंतर 15 वर्ष दर्शाया गया है, जिसे सामान्य रूप से अपेक्षित नहीं बताया गया है। इसी बिंदु पर स्पष्टीकरण और सहायक दस्तावेज मांगे गए हैं। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि 16 जनवरी को दोपहर 12 बजे अमर्त्य सेन के आवास पर ही सुनवाई निर्धारित की गई है और उस समय सभी जरूरी दस्तावेज उपलब्ध रखने को कहा गया है। अमर्त्य सेन बोलपुर वार्ड नंबर दो के मतदाता हैं और पेशेवर कारणों से वर्ष के अधिकांश समय विदेश में रहते हैं। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शांतभानु सेन ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि अमर्त्य सेन कौन हैं। इतनी उम्र में बिना वजह उन्हें परेशान करने की कोशिश बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि नोटिस वकील से परामर्श के बाद ही स्वीकार किया गया है। यह विवाद उस समय और गहराया जब अभिषेक बनर्जी ने एक दिन पहले बीरभूम जिले के रामपुरहाट में एक सभा के दौरान दावा किया था कि चुनाव आयोग ने नोबेल पुरस्कार विजेता को एसआईआर नोटिस भेजा है। इसके बाद आयोग ने सफाई दी थी कि फॉर्म में तार्किक विसंगतियां हैं और अमर्त्य सेन को सुनवाई के लिए नहीं बुलाया गया है। हालांकि, बीएलओ द्वारा नोटिस सीधे उनके आवास पर दिए जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर हमला तेज कर दिया। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर कहा कि एक नोबेल पुरस्कार विजेता को संदेह के घेरे में लाना क्या उचित है। पार्टी ने आरोप लगाया कि अगर व्यक्ति बंगाली है तो उसे अपराधी की तरह नोटिस थमा दिया जाता है। पार्टी ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया मजाक बनकर रह गई है।

चुनाव प्रबंधन निकायों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 21-23 जनवरी तक, लोगो जारी

एजेंसी

नई दिल्ली । चुनाव आयोग 21 से 23 जनवरी तक यहां के भारत मंडपम में इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईसीडीईएम 2026) का आयोजन करने जा रहा है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन से जुड़ी चुनौतियों, नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर सार्थक संवाद को आगे बढ़ाना है। इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) और इंटरनेशनल आइडिया के सहयोग से इसका आयोजन किया जा रहा है। आज इस संबंध में द्वारका स्थित इंस्टिट्यूट में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इसे इंस्टिट्यूट के महानिदेशक राकेश वर्मा ने संबोधित किया। इस अवसर पर आईआईआईसीडीईएम-2026 का लोगो लॉन्च किया गया। वर्मा ने बताया कि यह लोकतंत्र, सहभागिता, संस्थागत ईमानदारी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के मूल्यों को दर्शाता है। समग्र रूप से यह लोगो एक स्पष्ट संदेश देता है कि लोकतंत्र जनता से संचालित, संस्थानों द्वारा समर्थित और वैश्विक रूप से जुड़ा हुआ है, जिसमें भारत की भूमिका केंद्रीय और जिम्मेदार है। उल्लेखनीय है कि भारत ने वर्ष 2026 के लिए इंटरनेशनल आइडिया की अध्यक्षता भी संभाली है। इसके तहत यह सम्मेलन वैश्विक लोकतांत्रिक विमर्श के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरेगा। सम्मेलन का लक्ष्य विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करना, साझा वैश्विक चुनौतियों पर सामूहिक दृष्टि विकसित करना, श्रेष्ठ प्रथाओं और नवाचारों का आदान-प्रदान करना तथा समाधान सह-निर्मित करना है। वर्मा ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य विषय 'समावेशी, शांतिपूर्ण, सुदृढ़ और सतत विश्व के लिए लोकतंत्र' है। इसके अंतर्गत दो प्रमुख विषयगत स्तंभ निर्धारित किए गए हैं- भविष्य के लिए लोकतंत्र की पुनर्कल्पना तथा सतत लोकतंत्र के लिए पेशेवर और स्वतंत्र चुनाव प्रबंधन निकायों की अनिवार्यता। सम्मेलन के दौरान सामान्य और पूर्ण सत्रों के साथ-साथ कई विषयगत सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें उद्घाटन सत्र, ईएमबी नेताओं की पूर्ण बैठक, ईएमबी कार्य समूह बैठक तथा ईसीआईनेट के शुभारंभ जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा वैश्विक विषयों पर सात सत्र, अंतरराष्ट्रीय चुनावी मानकों पर 11 मॉडल सत्र तथा चुनावी प्रक्रियाओं में 25 श्रेष्ठ प्रथाओं और नवाचारों पर केंद्रित सत्र आयोजित किए जाएंगे।

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा अकेली भारतीय

दुबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ड्ट, शैफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका की प्रभावशाली ऑलराउंडर सुने लुस को शानदार प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने अपनी प्रतिभा दिखाना जारी रखा और सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर एक शानदार साल का समापन किया। आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए, प्रोटियाज कप्तान शानदार फॉर्म में थीं, क्योंकि उनकी टीम ने ODI (3-0) और टी20आई (2-0) दोनों सीरीज़ में क्लीन स्वीप किया।

वोल्वार्ड्ट पहले टी20आई में अपने सबसे खतरनाक फॉर्म में थीं। उन्होंने 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका दबदबा ODI सीरीज में भी जारी रहा, जहां उन्होंने ओपनिंग की और पूरी सीरीज में अहम भूमिका निभाई। पहले मैच में 31 रन बनाने के बाद उन्होंने लगातार 2 शतक लगाए, दूसरे ODI में 111 गेंदों पर 124 रन बनाए और फिर आखिरी मैच में नाबाद 100 रन बनाकर क्लीन स्वीप पक्का किया। तीनों ODI में वोल्वार्ड्ट ने 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। उन्होंने टी20आई सीरीज में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं।

भारत की शैफाली वर्मा भी श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में उतनी ही विस्फोटक थीं, उन्होंने लगातार आक्रामक शुरुआत दी जिससे भारत ने घरेलू मैदान पर 5-0 से शानदार सीरीज जीत हासिल की। सीरीज के पहले मैच में शांत प्रदर्शन के बाद वर्मा ने दूसरे मैच से लय पकड़ी और नाबाद 69 रन बनाकर भारत को आसानी से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे मैच में एक और नाबाद 79 रनों की पारी खेली जिससे भारत ने 14 ओवर के अंदर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शैफाली का सबसे शानदार प्रदर्शन चौथे टी20आई में आया, जहां उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पार्टनरशिप की, जो महिला टी20आई में किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी और 46 गेंदों में से 79 रन बनाए जिससे भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20आई टोटल 221 बनाया। वर्मा ने 5 मैचों में 181.20 के शानदार स्ट्राइक रेट और 80.33 की औसत से 241 रन बनाकर सीरीज खत्म की, और अपने मैच जिताने वाले योगदान के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सुने लुस ने भी एक शानदार महीना बिताया। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दोनों फॉर्मेट में क्लीन स्वीप किया। लुस ने पहले टी20आई में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 81 रन बनाए और फिर चार विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 201 का बड़ा टोटल बनाया। ODI सीरीज में उनका प्रभाव और बढ़ा, जहां उन्होंने पहले मैच में नाबाद 66 रन बनाकर टॉप स्कोर किया और एक विकेट भी लिया। दूसरे ODI में लुस ने अपना दूसरा ODI शतक बनाया जिसमें 113 गेंदों में 114 रन शामिल थे और अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा।

दो ODI मैचों में लुस ने 102.50 के शानदार औसत और 98.55 के स्ट्राइक रेट से 205 रन बनाए, साथ ही 4.97 की इकॉनमी रेट से चार विकेट भी लिए। टी20आई में उन्होंने 157.33 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए और 6.42 की इकॉनमी से चार विकेट लिए, जिससे दिसंबर महीने में एक प्रभावशाली ऑलराउंडर के रूप में उनका महत्व साबित हुआ।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

-विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी।।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी (ईएमएस)।इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये है। उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे। वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं। अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है। अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं। अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने होंगे। रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

स्टार्क 30 विकेट लेने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 31 विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब स्टार्क एशेज में 30 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। स्टार्क ने पांच मैचों की सीरीज की 10 पारियों में 19.93 के बेहतरीन औसत के साथ ही 31 विकेट लिए, इस दौरान उन्होंने दो बार पांच विकेट भी लिए। स्टार्क, ने इस सीरीज में टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने 2005 सीरीज में 40 विकेट, मिशेल जॉनसन ने 2013-14 में 37 विकेट, ग्लेन मैकग्रा ने साल 2001 में 32 विकेट, और वॉर्न ने 2001 में 31 विकेट लिए थे। अब इस सूची में स्टार्क भी शामिल हो गये हैं। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4-। से जीत दर्ज की।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल, पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

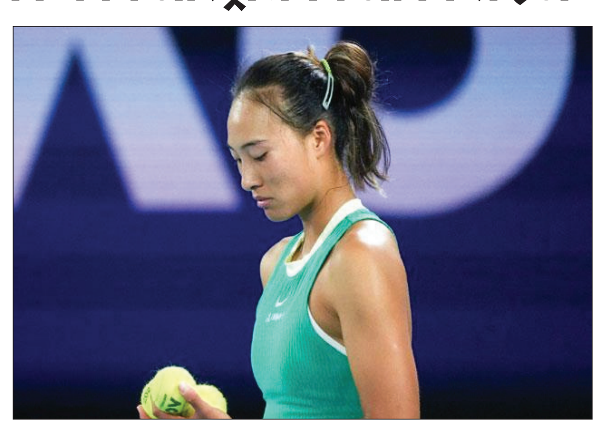

वुहान। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।' झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं। विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान, लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

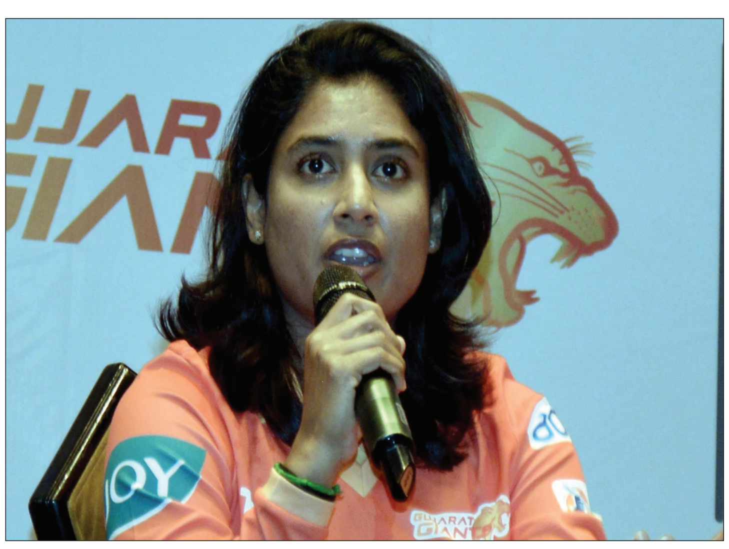

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीज़न की शुरुआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की।

मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीज़न में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा।' दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 9 जनवरी से मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से होगी। डीसी रविवार को एमआई के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का पहला मैच खेलेगी।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन। एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है। टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही। एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है। इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं। चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे। रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं। वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए।

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है।

तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है। उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा।

नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

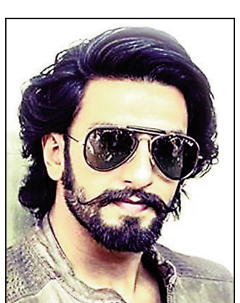

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुईं कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ल 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी – कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें ।सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोंइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।